भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

जयपुर, 6 मार्च - 12 मार्च, 2024

फाल्गुन, पक्ष - कृष्ण, तिथि - एकादशी, संवत 2080 पृष्ठ : 8 बुधवार वर्ष-10, अंक-2, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

जागरूक जनता के 10वें स्थापना दिवस की शुभकामनाएँ

चुनौतियों से निपटने के लिए सेनाओं का एकीकरण जरूरी

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने निरंतर बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य के बीच तीनों सेनाओं के एकीकरण और उनके बीच तालमेल बढ़ाने पर बल दिया है। सिंह ने शुरू हुए नौसेना के शीर्ष कमांडरों के तीन दिन के सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया ।

उन्होंने समुद्र में नौसेना की 'ट्विन-कैरियर ऑपरेशन' संचालित करने की क्षमता को भी वहां जाकर देखा। इस दौरान नौसेना के दोनों विमानवाहक पोतों ने भारत के समुद्री हितों की रक्षा के लिए नौसेना की बढ़ती क्षमताओं का प्रदर्शन किया।रक्षा मंत्री ने नौसेना कमांडरों को संबोधित करते हुए हिंद महासागर क्षेत्र में बहुआयामी क्षमताओं को बढ़ाने और लगातार नेतृत्व की भूमिका में उभरने के लिए भारतीय नौसेना की सराहना की। उन्होंने प्रधानमंत्री की परिकल्पना के अनुसार क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास (सागर) के अनुरूप, हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में शांति और समृद्धि की दिशा में काम करने के लिए नौसेना के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारतीय नौसेना के समुद्री डकैती विरोधी अभियानों की न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर में सराहना की जा रही है। सिंह ने वैश्विक प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका के अलावा, समुद्री सुरक्षा और भारत की संप्रभुता बनाए रखने में नौसेना के महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, अगर हिंद महासागर क्षेत्र और व्यापक इंडो-पैसिफिक में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है, तो यह हमारी नौसेना की बहादुरी और तत्परता के कारण है। यह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में विश्वसनीयता का पर्याय बन गया है। नौसेना वैश्विक कैनवास पर भारत के बढ़ते कद का प्रतिबिंब है।रक्षा मंत्री ने लगातार बदल रहे भू-राजनीतिक परिदृश्य के बीच तीनों सेनाओं की संयुक्तता और तालमेल के महत्व को रेखांकित किया।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की बड़ी बहन का निधन, अंतिम संस्कार आज

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जोधपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की बड़ी बहन विमला देवी का निधन हो गया है। वह काफी समय से बीमार चल रही थीं। उन्होंने लाल साग स्थित नरसिंह विहार कॉलोनी में घर में अंतिम सांस ली। निधन की सूचना मिलते ही रिश्तेदार और लोग उनके आवास पहुंचने लग गए हैं। बुधवार को उनका अंतिम संस्कार होगा। अंतिम संस्कार में पूर्व सी एम गहलोत होंगे शामिल। उल्लेखनीय है कि गहलोत हर रक्षाबंधन और भाईदूज पर अपनी बहन से राखी बंधवाने के लिए जोधपुर आते थे।

मानते थे लकी चार्म : गहलोत अपनी बड़ी बहन को लकी चार्म मानते थे। इसलिए, जब भी उन्हें समय मिलता था, वह अपनी बहन से मिलने पहुंच जाते थे। पूर्व मुख्यमंत्री हर चुनाव से पहले अपनी बहन का आशीर्वाद जरूर लेते थे। इसलिए, हर बार चुनाव लडने से पहले वह उन्हें जीत का आशीर्वाद देती थीं।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज

ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

» मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
» सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
» असाध्य घाव/शुगर के घाव
» कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
» अचानक बहरापन (Hearing Loss)
» डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

दक्षिणा-सेवा शुल्क व भिक्षा-दान देने और लेने में कितना अंतर!

सटीक

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

इस संसार में दो तरह के लोग होते हैं। एक जो लेना जानते हैं, देना नहीं। दूसरे वे लोग जो सिर्फ देना जानते हैं, लेना नहीं। हमेशा देने वाले का हाथ ऊपर और लेने वाले का हाथ नीचे ही रहता है। देना भी दो तरह से होता है पहला-आपने किसी ब्राह्मण से या अन्य से पूजा पाठ करवाया या अपने घर में कोई शुभ कार्य सम्पन्न होने के पश्चात पंडित, पुरोहित, बहन-बेटी, छात-आरता आदि के लिए खुश होकर दिया जाने वाला धन दक्षिणा कहलाता है। ऐसी दक्षिणा देने में हमें बड़ा गर्व और खुशी होती है और ऐसी दक्षिणा लेने वाले को भी खुशी होती है। ये हुई मन से खुश होकर प्राप्त होने वाले धन की बात। हां अपवाद स्वरूप कई लोग मन से असंतुष्ट होते हैं जिन्हें आप कितना ही दे दो, वे संतुष्ट नहीं होते। कहते ही रह जाते हैं कि यजमान ये तो कम है और ज्यादा दीजिए। ऐसे में कोई यजमान दे देता है और कोई बस कर देता है। दूसरे नंबर पर आता है सेवा शुल्क। सेवा शुल्क के मायने आज कई हो गए हैं। पहला तो ऐसा है कि किसी से हमने काम करवाया और उसको मेहनताने के रूप में हम कुछ धन दे देते हैं। जिसमें कर्मचारी भी आते हैं। मगर वर्तमान में सेवा शुल्क का अभिप्राय ही बदल गया है। रिश्वत को भी सेवा शुल्क माना जाने लगा है। कुछ लोग किसी काम के बदले धन (रुपए) लेते हैं, जिसे रिश्वत कहा जाता है। मजबूर आदमी को नहीं चाहते हुए भी देना पड़ता है। दोनों में अंतर क्या हुआ। दक्षिणा खुशी-खुशी सबके सामने दी जाती है और सेवा शुल्क चुपके से दिया जाता है। लेने और देने वाले दोनों के ही मन में भय समाया रहता है कि कहीं कोई देख न ले। अब आगे चलते हैं भिक्षा और दान पर। जीवन में कोई भी आदमी भिक्षा मांगना पसंद नहीं करता है, मगर कुछ ऐसी परिस्थितियां बन जाती हैं जिनके कारण प्राणी को भीख मांगनी पड़ जाती है और वह अपमान सहन करते हुए भी भीख स्वीकार करता है। जिस समय हम भीख देने वाले को और भीख लेने वाले को देखेंगे तो हमें उनकी आंखों में अंतर साफ दिखाई देता है कि भीख देने वाले बड़े गर्व से भिखारी की ओर देखता है, वह क्या और कितना दे रहा है इस पर बिना विचारे। दूसरी तरफ भीख लेने वाला बड़ी आशाभरी निगाहों से दाता की ओर देखता है। एक तरफ अभिमान और दूसरी तरफ अपमान। (हालांकि वर्तमान में कुछ ढीठ और निठल्ले लोगों ने भीख को ही धंधा बना रखा है) हमारे शास्त्रों में जो भी लिखा है वह बिना वजह या बिना कारण नहीं लिखा गया है। सही कार्य में हम हमेशा प्रसन्नता और सुखानुभूति महसूस करते हैं, वहीं गलत कार्य में भय और पीड़ा महसूस होती है। शास्त्रों में दान देने को पुण्य कार्य बताया गया है। दान देने से दूसरों की सहायता होती है। इसलिए दान के नाम पर एक प्राणी दूसरों की सहायता कर सकता है। दान हमेशा से दिया जाता रहा है। उसके रूप अलग-अलग रहे हैं। हालांकि यहां सबका वर्णन किया जाना संभव नहीं है। मगर सबका उद्देश्य एक ही है, असहायों की सहायता करना। जो आजतक चला आ रहा है। ये अनवरत चलता ही रहेगा। क्योंकि ये कर्मों की व्यवस्था है।

Shivdayalmishra@gmail.com

चित्तौड़गढ़ अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लि.चितौड़गढ़

की ओर से सभी देशवासियों को
जागरूक जनता स्थापना दिवस
महिला दिवस व महाशिवरात्रि पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएं

ऋणों की ब्याज दरों में विशेष छूट | ऋण हेतु सरलतम प्रक्रिया | जमाओं पर आकर्षक ब्याज दरें

प्रधानमंत्री के घर घर सोलर पैनल योजना अंतर्गत मध्यम वर्ग को सोलर पैनल पर 8.50 प्रतिशत ब्याज दर से ऋण उपलब्ध

डॉ. इंद्रमल सेठिया
अध्यक्ष

एवं समस्त संचालक सदस्य चित्तौड़गढ़ अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड।

वंदना वजीरानी
प्रबंध निदेशक

उपाध्यक्षः शिवनारायण मानधना, निदेशक-सीए दिनेश कुमार सिसोदिया, रणजीत सिंह नाहर, राधेश्याम आमेरिया, बालकिशन धूत, वृद्धिचंद कोठारी, हरिशचन्द्र आहूजा, श्रीमती कल्याणी दीक्षित, सीए दिप्ती सेठिया(डाड), बाबरमल मीण, राजेश काबरा, सहवृत निदेशकः हेमन्त शर्मा, सीएम नितेश सेठिया सदस्यः शांतिलाल पुंगलिया, सीएस अंकिता जैन, नरेन्द्र चौरड़िया, आदित्येन्द्र सेठिया

प्रधान कार्यालय : केशव माधव सभागार,एनसीएम सिटी चित्तौड़गढ़
शाखाएं : चितौड़गढ़, चंदेरिया,बेगूं, निंबाहेडा, कपासन, बड़ीसादड़ी एवं प्रतापगढ़।

DELHI PUBLIC SCHOOL
ABU ROAD
(UNDER THE AEGIS OF THE DELHI PUBLIC SCHOOL SOCIETY, NEW DELHI)

ADMISSIONS OPEN
2024-25

REGISTRATION FORMS ARE AVAILABLE IN SCHOOL

95099 28818 | 95099 38818
www.dpsaburoad.com | info@dpsaburoad.com
NH 27, Village Bharja, Tehsil Pindwara, Dist. Sirohi, Rajasthan - 307026.

SCAN QR FOR MORE DETAILS

'शक्ति वंदन' में पीएम को लिखे 50 हजार पत्र

ग्रेटर नगर निगम: विश्व रिकॉर्ड, महापौर थिरकी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर के ग्रेटर नगर निगम की ओर से जवाहर कला केंद्र में आयोजित शक्ति वंदन कार्यक्रम में एक विश्व रेकॉर्ड बना। जयपुर में पीएम नरेन्द्र मोदी को महिलाओं की ओर से करीब 50 हजार चिट्ठी लिखकर एक नया रिकॉर्ड बनाया गया है। ये रिकॉर्ड गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया। जयपुर के ग्रेटर नगर निगम की ओर से जवाहर कला केंद्र में तीन दिन तक चले शक्ति वंदन कार्यक्रम में हजारों महिलाओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी। गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रेकॉर्ड की टीम ने कार्यक्रम में पहुंचकर महापौर सौम्या गुर्जर को मेडल और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में भारतीय डाक विभाग ने स्टॉल लगाई थी। यहां आकर महिलाओं ने मुफ्त पोस्टकार्ड पर संदेश लिखकर 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को पारित करवाने के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया। करीब 50 हजार पोस्टकार्ड प्रधानमंत्री को भेजे गए हैं। इस मौके पर फागोत्सव में महापौर सहित पार्षद और अधिकारी भी फाल्गुन के गीतों पर जमकर थिरके।

सतत् विकास के लक्ष्यों में तेजी लाने पर राष्ट्रीय सम्मेलन

रामराज्य की परिकल्पना में मानव जाति, जीवों और प्रकृति का कल्याण निहित

राजस्थान वासियों का प्रकृति के प्रति लगाव अद्भुत - मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि रामराज्य की परिकल्पना में केवल मानव जाति का ही नहीं अपितु समस्त जीव-जन्तुओं, पृथ्वी और प्रकृति का कल्याण निहित है। प्रकृति में बेहतर सामंजस्य और संतुलन के आधार पर ही मानव जाति का विकास संभव है। इसलिए हमें प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए संकल्पबद्ध होकर कार्य करना चाहिए। शर्मा मंगलवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में सतत् विकास लक्ष्यों में तेजी लाने संबंधी विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मलेन के दूसरे दिन आयोजित समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जीव-जन्तुओं की कई प्रजातियों का लुप्त होना चिंताजनक है। इन्हें बचाने के लिए पर्यावरण संतुलन आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन से मानव जाति का अस्तित्व भी खतरे में है। इसीलिए हमें हमारी मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए ही प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित उपयोग करना चाहिए।

जिम्मेदार नागरिक के कर्तव्य का करें अहसास

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें जिम्मेदार नागरिक होने का कर्तव्य पूरा करते हुए आस-पास रह रहे जरूरतमंद व्यक्ति के बारे में भी सोचना चाहिए और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर वंचित व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रयास करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा एक छोटा सा प्रयास भी किसी के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकता है। इससे हमें जो आत्मसंतुष्टि मिलेगी वही हमारा सच्चा पुरस्कार होगा।

अंत्योदय के संकल्प को साकार कर रही राज्य सरकार

शर्मा ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के संकल्प में मानव कल्याण की भावना निहित है। राज्य सरकार इसी संकल्प को साकार करने के लिए समर्पित रूप से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी का भी मानना है कि सबका साथ, सबका विश्वास, सबका प्रयास और सबका विकास के संकल्प के साथ ही राष्ट्र प्रगति के पथ पर अग्रसर हो सकता है।

प्रकृति संतुलन वर्तमान समय की आवश्यकता

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रकृति अद्भुत है। यहां प्रत्येक प्राणी का जीवन एक-दूसरे पर निर्भर है और एक जीव दूसरे जीव का पालनहार है। प्रकृति के इसी संतुलन को बनाए रखना वर्तमान समय की आवश्यकता है। हमें हमारी आवश्यकताओं के अलावा भी प्रकृति के प्रति समर्पण का भाव रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजस्थान वासियों में प्रकृति के प्रति लगाव के कई उत्कृष्ट उदाहरण देखने को मिलते हैं जिनमें अमृता देवी का नाम प्रमुख है, जिन्होंने वृक्षों को बचाने के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी थी। इससे पहले मुख्यमंत्री ने यूएनडीपी एसडीजी नॉलेज हब पोर्टल, राज्य सरकार द्वारा तैयार एसडीजी-2 डेशबोर्ड तथा खाद्य एवं पोषण सुरक्षा विश्लेषण डेशबोर्ड का लोकार्पण किया। उन्होंने विभिन्न राज्यों द्वारा एसडीजी के संबंध में किए गए कार्यों पर आधारित स्टॉल्स का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी, सदस्य वी.के. पॉल, वरिष्ठ सलाहकार (एसडीजी) डॉ. योगेश सूरी, संयुक्त राष्ट्र के रेजिडेंट समन्वयक शोम्बी शार्प, आयोजना विभाग के शासन सचिव नवीन जैन सहित केन्द्र एवं राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारीगण एवं सम्मेलन के प्रतिभागीगण उपस्थित रहे।

डॉ. लुनायच "भामाशाह सम्मान" से सम्मानित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान जाट समाज संस्थान के बैनर तले "महिला शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान" के नव भवन के शिलान्यास एवं समाज के भामाशाहों के सम्मान समारोह के अवसर पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा डॉ. नेमीचंद लुनायच को यह सम्मान प्रदान किया गया। इसके पूर्व डॉक्टर लुनायच समाज के प्रति अपने सेवा भाव के कारण राजस्थान सरकार द्वारा भामाशाह सम्मान से सम्मानित किया जा चुके हैं। डॉ. लुनायच का मानना है कि व्यक्ति का वास्तविक सम्मान तो उसके कर्म में ही निहित है अतः हर व्यक्ति को यथायोग्य सामाजिक सेवा एवं मानवीय सेवा में संलग्न रहना चाहिए। डॉक्टर लुनायच सामाजिक सेवा हेतु तन मन धन से हमेशा तैयार रहते हैं। उनके द्वारा संचालित सांध्य नीड़ बुजुर्ग आवास उनके सेवा भाव का जीवंत उदाहरण है।

सचिन शर्मा की मौत पर गरमाई सियासत

5 नहीं 50 लाख मिलने चाहिए-गहलोत

जयपुर @ जागरूक जनता। एसएमएस अस्पताल में दौसा निवासी सचिन शर्मा के गलत ब्लड ग्रुप चढ़ाने से हुई मौत के मामले में सियासत गरमा गई है। अब पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भजनलाल सरकार को आड़े हाथों लिया है। दरअसल सरकार ने सचिन शर्मा के परिजनों को पांच लाख रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की थी। गहलोत ने सचिन शर्मा के परिजनों से मुलाकात कर कहा कि इस मामले में राज्य सरकार ने बेहद असंवेदनशील रवैया अपनाया है। आर्थिक रूप से बेहद कमजोर परिवार की आजीविका कमाने वाले सचिन शर्मा की मृत्यु के 9 दिन बाद परिजनों को केवल 5 लाख रुपए की मामूली सहायता देना नाकाफी है। इस सहायता के लिए भी परिजनों को प्रदर्शन करने पर मजबूर होना पड़ा था। उन्होंने कहा कि मेरी सरकार से मांग है कि सरकारी लापरवाही के इस मामले को विशेष प्रकृति का मानकर परिवार को 50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता और एक परिजन को रोजगार दिया जाए।

कृषि में उन्नत तकनीकी अपनाकर किसान समृद्ध, खुशहाल, आत्मनिर्भर बने-कृषि मंत्री

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा की अध्यक्षता में मंगलवार को कृषि अनुसंधान केन्द्र दुर्गापुरा के श्याम ऑडिटोरियम में कृषि तकनीकी को उन्नत एवं आधुनिक बनाने के लिए राज ऋषि गोकुल ग्राम परियोजना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि कृषकों की आय को बढ़ाने के लिए सरकार संकल्पबद्ध होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि किसानों को नई तकनीकों व जैविक खेती का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करना चाहिए, जिससे कम क्षेत्र में अधिक पैदावार होगी और किसान आर्थिक दृष्टि से मजबूत होगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री कुसुम योजना के तहत सोलर प्लांट लगाने पर 60 प्रतिशत एवं पॉली हाऊस लगाने पर 95 प्रतिशत तक का अनुदान कृषकों को दिया जा रहा है। इसके साथ ही किसानों को फार्म पौण्ड, ग्रीन हाऊस, तारबंदी, स्प्रिंक्लर, ड्रिप आदि पर अनुदान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कृषक परम्परागत खेती के स्थान पर आधुनिक खेती अपनाकर अपनी आय दुगुनी कर सकते हैं एवं उन्नत तकनीक अपनाकर डेढ़ से दो बीघा जमीन पर पॉली हाऊस में आठ से दस लाख रूपये की आमदनी कमा रहे है। कृषि मंत्री ने कहा कि कृषि के नवाचारों से अवगत कराने के लिए एक कृषक दल को माउण्ट आबू भेजा जायेगा, जो वहां पर ब्रह्मकुमारी में राजऋषि गोकुल ग्राम में यौगिक खेती से अवगत होंगे।

प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी वैभव गालरिया ने कहा कि जैविक खेती कृषकों की आय में वृद्धि करने के साथ-साथ स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है। उन्होंने कहा कि परम्परागत खेती के तौर पर ब्रह्मकुमारी द्वारा अभिनव प्रयोग किये गये है, जिन्हे इस कार्यक्रम में कृषक सीखकर नई सोच के साथ कृषि में गुणवत्ता बढ़ायें। ब्रह्मकुमार चन्द्रेश भाई ने बताया कि राजऋषि गोकुल परियोजना में पंचायत स्तर पर सतत् विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए 9 संकल्प लिये गये हैं। उन्होंने ग्राम जाहोता, जयपुर का नाम लेते हुए बताया कि राजस्थान की पहली ओ.डी.एफ. प्लस पंचायत है और यहां पर 101 कृषकों के खेतों में 25 हजार व्यवसायिक पेड़ लगाये गये हैं। भारत सरकार द्वारा इस गांव को अटल भू-जल योजना के तहत मॉडल गांव के रूप में चुना गया है।

इस दौरान कार्यक्रम में ब्रह्मकुमारी चन्द्रकला दीदी, महुआ विधायक राजेन्द्र मीणा, जमवारामगढ़ विधायक महेन्द्र पाल, लालसौट विधायक रामविलास मीणा, आयुक्त कृषि कन्हैया लाल स्वामी, आयुक्त उद्यानिकी लक्ष्मण सिंह कुड़ी, विभागीय अधिकारी और प्रदेश के कृषक उपस्थित रहे।

मंजूरी: 7 शहरों में दौड़ेंगी 500 इलेक्ट्रिक बसे

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए सरकार प्रदेश के 7 शहरों में 500 इलेक्ट्रिक बसे संचालित करेगी। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने इलेक्ट्रिक बसे उपलब्ध करवाने की स्वीकृति जारी कर दी है। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बताया कि बजट घोषणा की क्रियान्विती में प्रदेश के जयपुर, जोधपुर, कोटा, अजमेर, बीकानेर,भरतपुर एवं उदयपुर शहरों में नगरीय बस सेवा के लिए 500 इलेक्ट्रिक बसें उपलब्ध करवाई जाएगी। इससे आमजन को प्रदूषण रहित आवागमन की सुविधा उपलब्ध होगी साथ ही पब्लिक ट्रांसपोर्ट को बढावा मिलने से आमजन को त्वरित एवं बेहतर परिवहन सुविधा का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक व्हिकल्स को बढावा देने से पेट्रोल–डीजल की बचत होगी, पर्यावरण प्रदूषण कम होगा और लोगों को बेहतर जीवन शैली का लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि इन बसों का संचालन एवं संधारण स्वायत्त शासन विभाग द्वारा कंवर्जेन्स एनर्जी सर्विसेज लिमिटेड के माध्यम से किया जाएगा। इससे राज्य सरकार पर लगभग 105 करोड़ रूपए से ज्यादा का वित्तीय भार आएगा।

इन शहरों में चलेंगी इलेक्ट्रिक बसें

बजट घोषणा की क्रियान्विती में जयपुर में 300,जोधपुर में 70,कोटा में 50, उदयपुर में 35,अजमेर में 30 तथा बीकानेर एवं भरतपुर में 15 ई-बसों का संचालन किया जाएगा।

फाग महोत्सव इत्र पुष्प वर्षा तिलक होली के साथ भक्तजन झूम उठे

जयपुर @ जागरूक जनता। सनराइज सिटी निवारू में फाग महोत्सव श्री गोपालनंदन जी (वृंदावन) के सानिध्य में बड़ी धूमधाम से मनाया गया। खाटू श्याम जी का आकर्षक श्रंगार किया गया। कॉलोनी के सभी श्रद्धालुओं ने जमकर नृत्य किया व पुष्प तिलक होली खेली। एडवोकेट कृष्ण वीर यादव, ज्योति प्रकाश यादव कार्यक्रम आयोजकों ने बड़ी ही सुंदर व्यवस्था कर रखी थी। राघवेंद्र सिंह ने कार्यक्रम में मजीरे बजाकर सबका मन मोह लिया। तेज सिंह नागौरी, गोविंद तिवारी नोहर, रोहित म्यूजिक ग्रुप ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए।

ANCHOR **चुनाव में चाय-नाश्ता समेत सामानों के मानक दर तय**

चाय ₹10, माला ₹15, भोजन ₹90

लोकसभा चुनाव

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। लोकसभा चुनाव के प्रचार-प्रसार के दौरान प्रत्याशियों को गज माला 1 हजार रुपए का पड़ेगा। वहीं छोटी माला 15 रुपए का पड़ेगा। इसी तरह प्रचार-प्रचार के डीजे का एक दिन का खर्च 10000 हजार चुनावी खर्च में शामिल होगा। लोकसभा चुनाव 2024 को देखते हुए चुनावी खर्च की सीमा तय कर दी गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनैतिक दलों के जनप्रतिनिधियों से रायशुमारी कर यह सीमा तय की है। इसी के साथ 197 आइटम्स की रेट लिस्ट भी जारी कर दी है। एक प्लेट चाय के लिए 10 रुपए देने पड़ेंगे तो वहीं 200 एमएल वाला कोल्डड्रिंक 20 रुपए का पड़ेगा। चुनाव प्रचार के दौरान कार्यकर्ताओं के लिए सुबह-शाम करवाए जाने वाले लंच-डिनर, सभा-रैलियों में पहनाए जाने वाले साफे, नाश्ते में दिए जाने वाले लड्डू, नमकीन समेत अन्य चीजों का मानक दर निर्धारित किया गया है। खाने का सादी थाली 90 रुपए का होगा।

वाहनों से चुनाव प्रचार पड़ेगा महंगा

लग्जरी कार और बड़ी एसयूवी में बैठकर चुनाव प्रचार करना भी प्रत्याशियों को महंगा पड़ेगा।

होण्डा सिटी, सियाज, वरना सेडान, ईनोवा, एक्सयूवी 500 जैसे वाहन जिनकी कीमत 10 लाख रुपए से अधिक होगी, एस समेत 2345 प्लस पीओएल तथा नान एसी 2060 रुपए प्लस पीओएल किराया तय किया गया है। वहीं साइकिल का किराया प्रतिदिन 100 रुपए तय किा गया है। अगर प्रत्याशी इनका उपयोग चुनाव प्रचार-प्रसार के समय करता है तो ये उसके चुनाव खर्चे में जोड़ा जाएगा। चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों को रैलियां, रोड-शो, चुनावी सभाओं के अलावा चुनाव कार्यालय खोलने, कार्यकर्ताओं को चाय-नाश्ता, खाना खिलाने का भी खर्चा शामिल करके आयोग के समक्ष खर्च का लेखा-जोखा पेश करना होगा। चुनावी खर्च पर आयोग की नजर रहेगी।

होटल-गेस्ट हाउस किराया दर

- एससी रूम प्रतिदिन डबल बेड 2000 रुपए
- नान एसी रूम डबल बेड 1000 रुपए
- एससी रूम सिंगल बेड 1200 रुपए
- नान एसी रूम सिंगल बेड 800 रुपए

विविध सामग्री खरीदी दर

- कपड़े का झंडा प्रति वर्गफीट 18 रुपए
- छाता 120 रुपए प्रति नग
- प्रिंटेड थैला 35 रुपए प्रति नग

भोजन व्यव्यस्था क्रय दर

- भोजन थाली सादा 90 रुपए प्रति थाली
- समोसा 10 रुपए प्रति नग
- चाय 10 रुपए प्रति कप
- कॉफी 15 रुपए प्रति कप
- पॉनी बॉटल 20 रुपए प्रति नग
- छाछ छोटा पैकेट 10 रुपए प्रति नग
- गुलाब जामुन 10 रुपए प्रति नग

प्रचार सामग्री दर

- गमछा छोटा 40 रुपए प्रति नग
- टोपी 20 रुपए प्रति नग
- छोटी माला 15 रुपए प्रति नग
- बड़ी माला 50 रुपए प्रति नग
- गज माला 1000 रुपए प्रति नग
- बैंड-बाजा, नगाड़ा, मांदर 3500 रुपए प्रति नग
- डीजे वाहन समेत 10 हजार रुपए प्रति दिन

वाहन किराया दर

- 1685 रुपए प्रति दिन
- बोलेरो 2250 रुपए प्रतिदिन
- 51 सीटर बस 85 रुपए प्रति किमी
- ट्रैक्टर ट्राली समेत 1875 रुपए प्रति दिन
- ईनोवा, एक्सयूवी 500, टाटा सफारी, किया एससी/नान एसी 2345 रुपए/2060 रुपए प्लस पीओएल।

जागरूक खबरें

भाजपा की दूसरी सूची 6 को आएगी!

बेंगलुरु @ जागरूक जनता। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए भाजपा की दूसरी लिस्ट बुधवार को आ सकती है। भाजपा के संसदीयबोर्ड के सदस्य और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने सोमवार को इसके संकेत दिए।येदियुरप्पा ने कहा कि वह केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में शामिल होने बुधवार को दिल्ली जा रहे हैं। संभवतः इसी दिन कर्नाटक सहित दूसरी सूची को अंतिम रूप दिया जा सकता है। मेरा मानना है कि बुधवार को सूची फाइनल हो जाएगी। हालांकि, अंतिम फैसला वरिष्ठ नेता लेंगे। भाजपा ने इससे पहले 2 मार्च को शाम 6 बजे 16 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 195 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की थी। उधर, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सोमवार शाम को हिमाचल प्रदेश की राज्यसभा सीट से इस्तीफा दे दिया। नड्डा 2012 से हिमाचल से सांसद थे। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया।

अमृत 2.0 मिशन- 183 नगर पालिकाओं में जल आपूर्ति कार्यों के लिए कवायद, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट शीघ्र प्रस्तुत करें

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। शासन सचिव, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग डॉ. समित शर्मा की अध्यक्षता में मैसर्स वेपकोस लिमिटेड व जन स्वा. अभि. विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। शासन सचिव द्वारा मैसर्स वेपकोस लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत विस्तृत परियोजना रिपोर्ट में पाई गई कमियों एवं डीपीआर तैयार करने के कार्यों की धीमी गति पर नाराजगी व्यक्त की गई। उन्होंने कन्सलटेंट फर्म को निर्देशित किया कि विस्तृत परियोजना रिपोर्ट को विभाग के फील्ड अधिकारियो एवं जन प्रतिनिधियों से विचार-विमर्श कर शीघ्र प्रस्तुत करें। रिपोर्ट अमृत 2.0 की गाइडलाइन अनुसार विभाग की नवीनतम बीएसआर दरों के आधार पर अधिकतम एक माह में प्रस्तुत की जाये ताकि मई 2024 में इनकी निविदा आमंत्रित कर कार्य शुरू किया जा सके।

विभाग को अमृत 2.0 मिशन के तहत् 183 नगर पालिकाओं में जल आपूर्ति कार्यों के लिये कार्यकारी एजेंसी नियुक्त किया गया है। रूडसिको द्वारा 181 नगर पालिकाओं की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने हेतु मैसर्स वेपकोस को कन्सलटेंट नियुक्त किया गया है जिनके द्वारा 141 परियोजना रिपोर्ट तैयार की गई है।

बैठक में मैसर्स वेपकोस लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक एच. एस. संधू एवं प्रतिनिधि सागर तथा जन स्वा. अभि. विभाग के मुख्य अभियंता (शहरी एवं एन. आर. डब्ल्यू.) राकेश लुहाड़िया, अतिरिक्त मुख्य अभियंता (शहरी) जगत तिवाड़ी, अतिरिक्त मुख्य अभियंता जयपुर क्षेत्र द्वितीय अमिताभ शर्मा उपस्थित रहे। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट में फील्ड अधिकारियों द्वारा उल्लेखित कमियों से कन्सलटेंट को अवगत कराया गया जिसके मद्देनजर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट को फील्ड की वास्तविक परिस्थितियों के अनुसार संशोधित किया जाना आवश्यक बताया गया।

उल्लेखनीय है कि स्वायत शासन विभाग की एजेंसी रूडसिको को जन स्वा. अभि. विभाग द्वारा अमृत 2.0 मिशन के तहत् 183 नगर पालिकाओं में जल आपूर्ति कार्यों के लिये कार्यकारी एजेंसी नियुक्त किया गया है। रूडसिको द्वारा 181 नगर पालिकाओं की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने हेतु मैसर्स वेपकोस को कन्सलटेंट नियुक्त किया गया है जिनके द्वारा 141 परियोजना रिपोर्ट तैयार की गई है। भारत सरकार द्वारा अटल नवीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन (अमृत 2.0) योजना की शुरुआत की गई है जिसके अंतर्गत सभी शहरी निकायों में जलप्रदाय योजनाओं द्वारा सभी घरों को वर्ष 2025-26 तक ''हर घर जल'' द्वारा पेयजल उपलब्ध कराया जाना लक्षित है।

राज्यपाल मिश्र से राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष लखावत ने मुलाकात की

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र से मंगलवार को राजभवन में राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के नव नियुक्त अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत ने मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने धरोहर संरक्षण बोर्ड द्वारा राजस्थान में धरोहर संरक्षण के लिए किए जाने वाले कार्यों और भविष्य की योजनाओं के बारे में उन्हें जानकारी दी। राज्यपाल मिश्र से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने दी स्वीकृति

प्रदेश की 365 सामान्य आंगनबाड़ी बनेंगी आदर्श

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बताया कि राज्य में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी साकार हो रही है। निदेशालय समेकित बाल विकास सेवाएं के अंतर्गत राज्य के 365 सामान्य आंगनबाड़ियों को आदर्श आंगनबाड़ी बनाने की स्वीकृति दे दी है। इसके लिए प्रत्येक आंगनबाड़ी केन्द्र पर लगभग 5 लाख रुपये व्यय किये जायेंगे। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन अनुसार तथा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार महिला सशक्तिकरण एवं बच्चों के स्वस्थ व शिक्षित भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में राज्य के सभी जिलों में प्रत्येक परियोजना/ब्लॉक में से एक सामान्य आंगनबाड़ी को आदर्श आंगनबाड़ी केन्द्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

आदर्श आंगनबाड़ी में प्ले स्कूल जैसी होगी सुविधाएं

उप मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश के आंगनबाड़ियों के बच्चों को प्ले स्कूल जैसा माहौल उपलब्ध करवाने के लिए 365 आंगनबाड़ी केंद्रों को आदर्श आंगनबाड़ी केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। इन आंगनबाड़ी केंद्रों में सामान्य मरम्मत एवं सुदृढ़ीकरण,वॉल पेंन्टिग, सौर ऊर्जा, चाइल्ड फ्रेन्डली फर्नीचर, बच्चों के लिये खिलौने, खेलकूद के सामान, रेनवाटर हार्वेस्टिग स्ट्रक्चर का निर्माण, शौचालय में आधुनिक सुविधा, आरओ, एलईडी, सीसीटीवी, वाईफाई, पेनड्राइव, पोषाहार कन्टेनर, लाईब्रेरी कॉर्नर इत्यादि सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, साथ ही न्यूट्री गार्डन (पोषण वाटिका) को भी विकसित किया जायेगा।

राजस्थान भाजपा ने बनाए 23 प्रदेश प्रवक्ता, 14 पैनलिस

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने संगठन के कामकाज को सुचारू बनाए रखने के लिए 23 प्रदेश प्रवक्ता, 14 पैनलिस्ट और एक प्रदेश कार्यालय प्रभारी की नियुक्ति की है। प्रदेश भाजपा की ओर से जारी सूची में प्रदेश प्रवक्ता के तौर पर कुलदीप धनखड जयपुर, लक्ष्मीकांत भारद्वाज सीकर, रामलाल शर्मा जयपुर, अशोक सैनी हनुमानगढ़, अभिमन्यु सिंह राजवी जयपुर, रामकु मार वर्मा दौसा, पूजा कपिल मिश्रा अलवर, माधोराम चौधरी नागौर, पंकज मीणा जयपुर, हिमांशु शर्मा अजमेर, राखी राठौड़ जयपुर, अमित गोयल जयपुर, जोगेन्द्र राजपुरोहित बालोतरा, आशीष चतुर्वेदी अजमेर, प्रताप राव कौशिक जयपुर, विकास सोमानी जयपुर, डॉ. अपूर्वा सिंह बीकानेर, तन्मय शर्मा जयपुर, शैलेश कौशिक भरतपुर, कृ ष्ण कु मार जानू झुंझु नूं, लक्ष्मीकांत पारीक जयपुर, शैलेन्द्र सिंह गुर्जर जयपुर और नरेन्द्र कटारा भरतपुर को शामिल किया गया है। प्रदेश पैनलिस्ट में डॉ. चेतन प्रकाश बीकानेर, हितेन्द्र शर्मा (हीतू) कोटा, विकास बारहट जयपुर, मदन प्रजापत जयपुर, राजेश चौधरी नागौर, अटल खण्डेलवाल सीकर, श्याम सुन्दर झा कोटा, नमित जैन टोंक, विक्रम सैनी झुंझु नूं, नम्रता सिंह अजमेर, सुमित श्रीमाल जयपुर, सुरेश गर्ग जयपुर, सचिन जैन जयपुर और सारिका चौधरी श्रीगंगानगर को जिम्मा दिया गया है। प्रदेश कार्यालय प्रभारी के रूप में मुकेश पारीक को दायित्व सौंपा है।

मुख्यमंत्री ने अस्पताल जाकर नरेन्द्र की जानी कुशलक्षेम

बैंक लूट की वारदात को नाकाम किया था कैशियर नरेन्द्र ने

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को झोटवाड़ा के बैंक कैशियर नरेन्द्र सिंह शेखावत और उनके परिजनों के साथ मणिपाल अस्पताल में मुलाकात कर उनकी कुशलक्षेम जानी एवं चिकित्सकों से उनकी सेहत के संबंध में जानकारी ली। मुख्यमंत्री का इस अवसर पर लोगों ने अभिवादन भी किया। उल्लेखनीय है कि हाल ही में कैशियर नरेन्द्र सिंह ने झोटवाड़ा स्थित पंजाब नेशनल बैंक में लूट की वारदात को नाकाम किया था। दो गोलियां लगने के बावजूद उन्होंने बहादुरी से अपराधियों से लोहा लिया। अस्पताल में कई दिन लगातार मौत से जूझते हुए अन्त में नरेन्द्र जिन्दगी की जंग जीत गए।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह

महिलाओं से जुड़े मुद्दों, समस्याओं और समाधान पर हुआ मंथन

जयपुर @ जागरूक जनता। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह के तहत कार्यालय उपनिदेशक, महिला अधिकारिता विभाग द्वारा साप्ताहिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के तहत जिला परिषद सभागार में एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक डॉ. राजेश डोगीवाल ने बताया कि मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. शिल्पा सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कार्यशाला में महिलाओं को उनके अधिकार एवं लोक कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। कार्यशाला में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, महिला शक्ति केन्द्र, वन स्टॉप सेंटर, महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र सहित महिला संरक्षण संबंधित विषयों पर चर्चा की। कार्यशाला में जिला स्वीप नोडल अधिकारी डॉ. शिल्पा सिंह ने महिलाओं को आगामी लोकसभा चुनाव में शत प्रतिशत मतदान के लिए प्रेरित किया। वहीं, बिन्दु शर्मा ने स्वीप कार्यक्रम अन्तर्गत मतदान प्रक्रिया से जुड़ी जानकारी दी।

ANCHOR चिकित्सा संस्थान

चिकित्सा मंत्री के निर्देशों के बाद शुरू हुआ था सघन निरीक्षण अभियान

स्वास्थ्य सेवाओं की प्रदायगी में आ रहा सुधार

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेशभर में चिकित्सा संस्थानों का मिशन मोड में निरीक्षण होने से आमजन को मिलने वाली स्वास्थ्य सेवाओं एवं चिकित्सा संस्थानों की स्थिति में बड़ा सुधार सामने आया है। विगत करीब 5 सप्ताह से चल रहे इन सतत निरीक्षणों से चिकित्सा संस्थानों में जांच एवं उपचार, दवाओं की उपलब्धता, साफ-सफाई, वार्ड एवं भवन की स्थिति सहित अन्य सेवाओं संबंधी मानकों में सकारात्मक बदलाव देखने को मिला है।

अब तक 7600 से अधिक निरीक्षण

उल्लेखनीय है कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह के निर्देशों के बाद विभाग ने आदेश जारी कर 24 जनवरी से प्रदेश के सभी चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण किए जाने के निर्देश दिए थे। प्रदेश में 3 मार्च, 2024 तक चिकित्सा संस्थानों के 7600 से अधिक निरीक्षण किए गए। इन निरीक्षणों की ऑनलाइन मॉनिटरिंग के आधार पर तैयार रिपोर्ट के अनुसार पहले निरीक्षण से लेकर चौथे निरीक्षण तक स्वास्थ्य सेवाओं में आशानुकूल सुधार देखने को मिला है।

95 प्रतिशत संस्थानों में नि:शुल्क दवा योजना का सुचारू संचालन

निदेशक, जनस्वास्थ्य रवि प्रकाश माथुर ने बताया कि निरीक्षण के बाद से चिकित्सा संस्थानों में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं में लगातार सुधार हो रहा है। निरीक्षण रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश के 95 प्रतिशत चिकित्सा संस्थानों में मुख्यमंत्री निशुल्क दवा योजना एवं 91 प्रतिशत संस्थानों में मुख्यमंत्री निशुल्क जांच योजना का सुचारू संचालन होना पाया गया। इसी प्रकार 73 प्रतिशत संस्थानों में मानव संसाधान, 63 प्रतिशत संस्थानों में भवन की स्थिति संतोषजनक पाई गई। अधिकांश चिकित्सा संस्थानों में अब कार्मिकों की बायोमैट्रिक उपस्थिति दर्ज की जा रही है। प्रदेश के 86 प्रतिशत संस्थानों में बाहरी साफ-सफाई नियमित हो रही है, 77 प्रतिशत संस्थानों में रैम्प बने हुए हैं। केवल 8 प्रतिशत संस्थानों में शौचालयों की साफ-सफाई तथा 4 प्रतिशत संस्थानों में वार्ड में साफ-सफाई की स्थिति असंतोषजनक पाई गई है।

ओपीडी एवं आईपीडी सेवाओं का संतुष्टि स्तर बढ़कर हुआ 92 प्रतिशत

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती शुभ्रा सिंह ने बताया कि पहले निरीक्षण के समय चिकित्सा संस्थानों में ओपीडी एवं आईपीडी सेवाओं के प्रति संतुष्टि का स्तर 75 प्रतिशत था, जो चौथे निरीक्षण के समय बढ़कर 92 प्रतिशत हो गया है। इसी प्रकार चिकित्सा संस्थानों के भवनों की स्थिति को लेकर संतुष्टि का स्तर 61 प्रतिशत से बढ़कर 70 प्रतिशत, लेबर रूम की स्थिति का स्तर 47 प्रतिशत से बढ़कर 82 प्रतिशत, वार्ड में बैडशीट की स्थिति का स्तर 55 प्रतिशत से बढ़कर 78 प्रतिशत, आपातकालीन सेवाओं में संतुष्टि का स्तर 28 प्रतिशत से बढ़कर 74 प्रतिशत, संविदा कार्मिकों को मानदेय की स्थिति में सुधार 29 प्रतिशत से बढ़कर 74 प्रतिशत हो गया है। उल्लेखनीय है कि राजधानी से लेकर गांव-ढाणी तक बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने एवं सुदृढ़ चिकित्सा प्रबंधन की सोच के साथ प्रदेश के चिकित्सा संस्थानों का सघन निरीक्षण किया जा रहा है। संभागीय आयुक्त, जिला कलेक्टर, उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार एवं चिकित्सा विभाग के अधिकारी नियमित रूप से चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण कर रहे हैं। इन निरीक्षण के आधार पर हर चिकित्सा संस्थान की रिपोर्ट तैयार की जा रही है। जहां भी स्वास्थ्य सेवाओं में खामियां सामने आ रही हैं, उनमें तत्काल प्रभाव से सुधार के प्रयास किए जा रहे हैं।

सम्पादकीय

न्यायिक भूल सुधार

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आप रद्द होने से जुड़ा अपना ही फैसला पलट दिया। यह फैसला 2018 में दिए गए फैसले की महत्वपूर्ण दिशानिर्देश रेखांकित करता है और न्यायपालिका, न्यायिक सिद्धांतों, अदालत, जमीनी हकीकत और न्यायिक संरचना के लिए महत्वपूर्ण है। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्टों और निचली अदालतों के स्टे ऑर्डर्स अपने आप रद्द होने से जुड़ा अपना ही एक फैसला गुरुवार को पलट दिया। पिछला फैसला 2018 में सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यों की पीठ ने दिया था, जिसे अब पांच सदस्यों की पीठ ने अमान्य घोषित कर दिया। सुप्रीम कोर्ट का ताजा फैसला अपने तात्कालिक परिणामों के लिहाज से ही नहीं, इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि इसमें न्यायपालिका की कार्यप्रणाली और न्यायिक सिद्धांतों से जुड़े अहम दिशानिर्देश रेखांकित हुए हैं, जो भविष्य में संविधान पीठों के लिए फैसले करना आसान बना सकते हैं।

असल में 2018 में बहुचर्चित एशियन रिसरफेसिंग केस में दिए गए फैसले की वजह से कई सारे मामलों में दिक्कत हो रही थी। अंतरिम स्थगन आदेश छह महीने में अपने आप रद्द होने का मतलब यह था कि संबंधित पक्षों को छह महीने के अंदर फिर से अदालत जाकर उस आदेश का नवीकरण कराना होता था। हर पक्षकार इस स्थिति में नहीं होता।

उस फैसले से कई सारे सैद्धांतिक सवाल भी जुड़े थे, जिन पर CJI चंद्रचूड़ की अगुआई वाली पांच सदस्यों की पीठ ने ध्यान दिया। ताजा फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि संविधान पीठों को केस डिसाइड करने की समय सीमा निर्धारित करने से जहां तक हो सके बचना चाहिए क्योंकि जमीनी हकीकत संबंधित अदालतों को ही पता होती है। यह बात भी गौर करने की है कि न्यायिक संरचना में ऊपर होने के बावजूद सुप्रीम कोर्ट की अपनी कार्य सीमाएं हैं। हाईकोर्ट का अपना कार्यक्षेत्र होता है। उन्हें सुप्रीम कोर्ट के अधीनस्थ के तौर पर नहीं देखा जा सकता। 2018 के फैसले से अगर जाने-अनजाने इस तरह का कोई संकेत गया था तो उसे भी पांच सदस्यों की पीठ ने अपने ताजा फैसले में दुरुस्त कर दिया।

जैसा कि जस्टिस पंकज मित्तल ने अपने अलग, लेकिन सहमति वाले फैसले में लिखा है कि कभी-कभी न्याय करने की इच्छा होते हुए भी आखिरकार अन्याय की नौबत आ जाती है। उनका आशय एशियन रिसरफेसिंग केस से था। मगर यह उल्लेख इस तथ्य को रेखांकित करता है कि जजों को फैसला करते हुए तकनीकी पहलुओं के बजाय ज्यादा ध्यान इस पर रखने की जरूरत है कि उस प्रक्रिया में किसी भी पक्ष के प्राकृतिक न्याय का उल्लंघन न हो जाए।

कुल मिलाकर देखा जाए तो सुप्रीम कोर्ट का ताजा फैसला न सिर्फ देश की न्यायिक व्यवस्था की कार्यप्रणाली में आई एक तात्कालिक बाधा को दूर करता है बल्कि इंसाफ करने की प्रक्रिया में निहित जटिलताओं के बीच भी न्याय तक पहुंचने की अदालतों की यात्रा को कुछ हद तक आसान बनाता है।

जब देश ने ज्यादा पैदावार वाली किस्में बनाने पर ध्यान केंद्रित किया, जो अनाज में पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ाने वाले जीन पीछे छूट गए। इसके मायने दरअसल बहुत गंभीर हैं और न सिर्फ सरकार को, बल्कि आपको और हमको भी इसे लेकर चिंता करनी होगी।

पेट तो भरा पर पोषण नहीं मिला

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

श्याम माथुर
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

अक्सर प्राचीन पोषण परंपराओं को फिर से जीवित करने की बात कही जाती है। देश की समृद्ध पाक विरासत और पोषण विविधता के बावजूद हम आज भी पोषण की समस्या को दूर नहीं कर पाए हैं, यह एक बड़ा संकट नहीं तो और क्या है।

पर्यावरण से जुड़े गंभीर मुद्दों पर सार्थक और उपयोगी चर्चा करने वाली पत्रिका 'डाउन टू अर्थ' के नवीनतम अंक में पोषण विहीन फसलों की ओर से संकेत करते हुए एक महत्वपूर्ण आमुख कथा प्रकाशित की गई है। यह रिपोर्ट हमें बताती है कि देश को खाद्य सुरक्षा देने वाली गेहूं-चावल की उच्च उपज वाली किस्मों में पोषक तत्वों की मात्रा घट गई है। इतना ही नहीं, ये किस्में विषैली भी हो गई हैं। जब देश ने ज्यादा पैदावार वाली किस्में बनाने पर ध्यान केंद्रित किया, जो अनाज में पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ाने वाले जीन पीछे छूट गए। इस रिपोर्ट के मायने दरअसल बहुत गंभीर हैं और न सिर्फ सरकार को, बल्कि आपको और हमको भी इसे लेकर चिंता करनी होगी। हम एक ऐसे दौर में हैं जिसमें आज भी लगभग पूरा देश कुपोषण की समस्या से जूझ रहा है। आज भी सरकार का महिला और बाल विकास मंत्रालय अच्छे पोषण व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए पोषण उत्सव का आयोजन करता है। हाल ही मंत्रालय ने नई दिल्ली स्थित ओबेरॉय होटल में पोषण उत्सव का आयोजन किया। इस कार्यर म का उद्देश्य अच्छे पोषण व्यवहार को बढ़ावा देना था। साथ ही, अच्छे पोषण अभ्यासों को बढ़ावा देकर कुपोषण से निपटने को लेकर भारत के प्रयासों को रेखांकित किया गया।

इस तरह के आयोजनों के साथ ही अक्सर प्राचीन पोषण परंपराओं को फिर से जीवित करने की बात भी कही जाती है। देश की समृद्ध पाक विरासत और पोषण विविधता के बावजूद हम आज भी पोषण की समस्या को दूर नहीं कर पाए हैं, यह एक बड़ा संकट नहीं तो और क्या है। प्रधानमंत्री ने साल 2018 में पोषण अभियान की घोषणा की थी, तो इसे देश के लिए एक ऐतिहासिक क्षण बताया गया था। पहली बार भारत सरकार के 18 मंत्रालय पोषण अभियान नामक राष्ट्रीय आकांक्षी कार्यर म के लिए एक साथ आए। लेकिन इस घोषणा के सात साल बाद हम वहीं खड़े नजर आ रहे हैं, जहां पहले भी खड़े थे। कुपोषण से निपटने और बच्चों में स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयास नाकाफी नजर आ रहे हैं और इस दिशा में महिलाओं को और मजबूत करने के लिए कोई कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। हम सब जानते हैं कि जब आप एक महिला के जीवन में सुधार करते हैं, तो इसका एक बड़ा प्रभाव पड़ता है। आप उसके समुदाय और उसके देश का विकास करते हैं।

पोषण की समस्या को दूर करने के लिए देश में अनाज उत्पादन को बढ़ाने के प्रयास किए गए और इसी दौरान प्रचलन में आई रासायनिक कृषि के दुष्परिणमों से आज हम सभी अवगत हैं। रासायनिक खेती से त्रस्त होने के बाद

उसके विकल्पों की तलाश प्रारंभ हुई। इस रूप में जैविक कृषि सामने आई। लेकिन अपनी जटिलता और महंगी लागत के कारण जैविक खेती विधि की उपयोगिता खेती-किसानी के लिए बहुत सीमित सिद्ध हुई है। यही कारण है कि ऐसे किसानों की संख्या बहुत अधिक है जिन्होंने विकल्प के रूप में जैविक खेती को अवश्य अपनाया, लेकिन बाद में निराश होकर फिर से रासायनिक खेती की और उन्मुख होने को विवश हो गए।

हालांकि रासायनिक खेती की ओर लौट जाना कोई विकल्प नहीं है, क्योंकि रासायनिक खेती को यदि शीघ्र तिलांजलि नहीं दी गई तो हमारे साथ-साथ सम्पूर्ण प्राकृतिक परिवेश और हमारी आने वाली पीढ़ियों तक को इसके गंभीर दुष्परिणाम भुगतने पर विवष होना पड़ेगा। प्रश्न उठता है कि फिर ऐसी कौन-सी विधि अपनाई जाए जो हमें रासायनिक खेती के कुप्रभावों से बचाने के साथ ही सहज-सरल और किसान-उपभोक्ता के लिए आर्थिक रूप से वहनीय भी हो। साथ ही जो हमें पोषण युक्त उपज भी प्रदान कर सके। इसका उत्तर है गाय आधारित प्राकृतिक कृषि। इस पद्धति को अंगीकार करके रासायनिक खेती के दुष्प्रभाव और जैविक खेती की जटिलता से बचते हुए किसान, उपभोक्ता, पर्यावरण और सरकार के हितों का संरक्षण किया जा सकता है। यही कारण है कि धरातल पर आज देश के अनेक राज्यों में लाखों ऐसे किसान हैं जो प्राकृतिक खेती को सफलतापूर्वक अंगीकार करके अपनी आर्थिक स्थिति सबल बनाने के साथ ही रसायनमुक्त पोषणयुक्त खाद्यान्न का उत्पादन कर रहे हैं।

आजादी मिलने के समय देश अनाज के संकट से जूझ रहा था। उस समय उत्पादन में त्वरित वृद्धि के लिए रासायनिक खेती का रास्ता चुना गया। प्रारम्भ में इससे उपज और खाद्य आत्मनिर्भरता में वृद्धि भी हुई। पर धीरे-धीरे इसके दुष्परिणाम प्रकट होने लगे। उत्पादन बढ़ने के बाद भी किसान की आय में अपेक्षित वृद्धि होना तो दूर, किसान कर्ज के बोझ तले दबने लगे। अनाज की पोषकता में कमी की समस्या भी इसी दौरान सामने आई। पोषण तत्वों को बढ़ाने और देश के हर नागरिक को अच्छा पोषणयुक्त भोजन मिले, इसके लिए सरकारी स्तर पर अनेक प्रयास हुए। लेकिन आर्थिक तंगी के कारण ज्यादातर आबादी पोषणयुक्त भोजन को हासिल नहीं कर सकी। हम जानते हैं कि जो भोजन हम अपने शरीर में डालते हैं वह हमारा ईंधन है। यह हमें पोषक तत्व प्रदान करता है - विटामिन, खनिज और अन्य यौगिक जो हमारे शरीर को कार्य करने और पनपने के लिए आवश्यक हैं। शोध से पता चलता है कि अच्छे भोजन का विकल्प बच्चों के बढ़ते शरीर और दिमाग के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। स्मार्ट विकल्पों से आपके और आपके परिवार के लिए तत्काल और दीर्घकालिक दोनों लाभ होते हैं। पोषण विशेषज्ञ कहते हैं कि माता-पिता के लिए सबसे अच्छी सलाह यह है कि वे स्वस्थ भोजन करके और अपने बच्चों के साथ शारीरिक रूप से सरि य रहकर अच्छे रोल मॉडल बनें। भोजन और नाश्ते के लिए घर में स्वस्थ खाद्य पदार्थ रखें। भोजन संबंधी योजना और खाना पकाने में बच्चों को शामिल करें, और उनके भोजन खाने की अधिक संभावना होगी। माता-पिता अपने बच्चों को उनके जन्मदिन से ही स्वस्थ भोजन के बारे में सिखाना शुरू कर सकते हैं।

स्वस्थ आहार पर अधिक खर्च नहीं होता है, बशर्ते कि आपके पास सही दृष्टिकोण हो, सही भोजन विकल्प हों और घर पर खाना पकाने का प्रयास करें। कुछ योजना के साथ, आप ऐसा भोजन तैयार कर सकते हैं जो स्वादिष्ट, किफायती और पोषक तत्वों से भरपूर हो। साथ ही अनाज में पोषण तत्व बढ़ाने के लिए हम जिंक या आयरन जैसे तत्वों की समृद्ध किस्मों की पहचान कर सकते हैं। गो खाद्य पदार्थ किसी भी समय खाने के लिए बहुत अच्छे हैं। इनमें बहुत सारे पोषक तत्व होते हैं और अस्वास्थ्यकर वसा, चीनी और कैलोरी कम होती है। गो खाद्य पदार्थों में फल शामिल हैं- सब्ज़ियाँ, साबुत अनाज, वसा रहित या कम वसा वाला दूध, दही, और पनीर। गौआधारित प्राकृतिक कृषि विधि में रासायनिक या जैविक खेती की तरह फसल को बाहर से कोई उर्वरक नहीं देना होता है, अपितु खेत की भूमि मे वह वातावरण तैयार करना होता है, जिसमें फसल को सभी आवश्यक तत्व उपलब्ध कराने वाले सूक्ष्म जीवाणु ठहर सकें, वृद्धि कर सकें। इस विधि में प्रयास रहता है कि खेत में जैव विविधता फिर से अपना कार्य कर सके और फसल के लिए अनुकूल व सुरक्षित वातावरण में वृद्धि कर सके। इस विधि में भूजल की न्यूनतम आवश्यकता होती है, नाममात्र लागत के कारण उत्पादन घाटे का सौदा नहीं होता, उपज पूर्णत: रसायनमुक्त और पोषणयुक्त होती है जिससे उपभोक्ता की रोग प्रतिरोधी क्षमता में वृद्धि होती है।

वायु प्रदूषण से भारतीयों के पांच साल हो रहे कम

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

दिल्ली दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर, जहां के लोगों के जीवन के 11.9 साल कम हो रहे हैं। वहीं वायु प्रदूषण की वजह दुनिया 29 प्रतिशत प्रेगनेंसी लॉस हुआ। इसमें से अकेले 77 प्रतिशत प्रेगनेंसी लॉस भारत में हुआ, जबकि पाकिस्तान में 12 प्रतिशत और बांग्लादेश में 11 प्रतिशत मामले सामने आए हैं।

अमित बैजनाथ
पत्रकार
@jagrukjanta.net

वायु प्रदूषण पर हाल ही में शिकागो यूनिवर्सिटी की ओर से जारी रिपोर्ट में चिंताजनक आंकड़े सामने आए हैं। रिपोर्ट में दुनिया भर के जिन छह देशों में रहने वाले लोगों की जिंदगी पर वायु प्रदूषण का सबसे ज्यादा असर पड़ रहा है, उनमें भारत का भी नाम शामिल है। रिपोर्ट के मुताबिक, वायु प्रदूषण भारत के लोगों की जिंदगी के पांच साल कम कर रहा है, जबकि सिर्फ दिल्ली की बात करें तो स्थिति और भी ज्यादा खराब है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के तय मानक पांच माइक्रोग्राम पर क्यूबिक मीटर की तुलना में देश का सूक्ष्म कण वायु प्रदूषण लोगों की जिंदगी के पांच साल कम कर रहा है। रिपोर्ट में दिल्ली को दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बताते हुए कहा गया कि वायु प्रदूषण का यहां रहने वालों के स्वास्थ्य पर सबसे ज्यादा असर पड़ रहा है और उनकी जिंदगी के 11.9 साल कम हो रहे हैं।

वहीं 2000-2016 के बीच भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश में वायु प्रदूषण के प्रेगनेंसी पर असर को लेकर लैंसेट की ओर से स्टडी की गई है। शोध में सामने आया कि तीनों देशों में प्रदूषण की वजह 29 प्रतिशत प्रेगनेंसी लॉस यानी गर्भपात हुआ। इसमें से अकेले 77 प्रतिशत प्रेगनेंसी लॉस भारत में हुआ, जबकि पाकिस्तान में 12 प्रतिशत और बांग्लादेश में 11 प्रतिशत मामले सामने आए। इस स्टडी में 34,197 महिलाओं को शामिल किया गया था, जिनमें से 27,480 महिलाओं ने मिसकैरेज और 6,717 स्टिल बर्थ (बच्चे की हार्ट बीट गायब होना) झेला। शोध में कहा गया कि प्रदूषण बढ़ने के साथ मानव स्वास्थ्य का खतरा भी बढ़ गया है।

शिकागो यूनिवर्सिटी में प्रो. माइकल ग्रीनस्टोन ने कहा कि वायु प्रदूषण से दुनिया भर के लोगों के जीवन पर पड़ रहे प्रभाव का तीन चौथाई हिस्सा सिर्फ छह देशों बांग्लादेश, भारत, पाकिस्तान, चीन, नाइजीरिया और इंडोनेशिया में है। आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि वायु प्रदूषण मानव स्वास्थ्य के लिए दुनिया का सबसे बड़ा बाहरी खतरा बना हुआ है। मानव जीवन पर वायु प्रदूषण से सबसे ज्यादा खतरे के मद्देनजर वैश्विक वायु गुणवत्ता अवसंरचना के लिए सामूहिक मौजूदा निवेश अपर्याप्त लगता है। एचआईवी-एड्स, मलेरिया और टीबी के लिए हर साल बड़े वैश्विक कोष का निवेश किया जाता है, लेकिन वायु प्रदूषण के लिहाज से ऐसा नहीं है।

स्विस फर्म आईक्यूएयर की लाइव रैंकिंग के मुताबिक, दुनिया के सबसे प्रदूषित 110 देशों की सूची में भारत के तीन शहर राजधानी दिल्ली, कोलकाता और मुंबई हैं। सूची में दिल्ली पहले नंबर पर है। यहां का एक्यूआई 254 है, जिससे दिल्ली पूरी दुनिया में सबसे प्रदूषित शहर है। इसके बाद रैंकिंग में चौथे स्थान पर 216 एक्यूआई के साथ कोलकाता है। इसके बाद दसवें स्थान पर मुंबई है, जहां एक्यूआई 155 रिकॉर्ड किया गया। हाल ही में कानपुर में सात दिन में तीन मौतें सांस लेने में दिक्कतों के चलते हो चुकी हैं। वहीं मेरठ में एक युवक को तेज बुखार आया और रेस्पिरेटरी सिस्टम फेल हो गया। नतीजा युवक की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। डॉक्टरों का मानना है कि पॉल्यूशन ने फेफड़ों में ऑक्सीजन का लेवल घटा दिया है। पॉल्यूशन से फेफड़ों की नलियां सिकुड़ चुकी हैं। ऑक्सीजन की इनहेलिंग धीरे-धीरे घट रही है। ओपीडी और क्रिटिकल केयर यूनिट में आ रहे मरीजों की जांच में ऑक्सीजन लेवल ठीक नहीं मिल रहा है।

चीन के गुआंगडोंग प्रांत में प्रदूषण से होने वाली प्रीमैच्योर डिलीवरी को लेकर एक शोध हुआ। इस शोध में शामिल 687 महिलाओं को प्रीमैच्योर डिलीवरी हुई थी और 1097 महिलाओं को कम वजन वाले बच्चे हुए थे। इनकी तुलना 1766 हेल्दी बर्थ वाली महिलाओं के साथ की गई। गौर करने वाली बात यह है कि चीन के इस प्रांत में पूरे देश के औसत से कम प्रदूषण रहता है। चीन में भी उत्तर भारत की तरह सितंबर-अक्टूबर से वायु प्रदूषण बढ़ना शुरू होता है और गर्मियों में कम होता है। इस शोध में यह पता चला कि प्रेगनेंसी के पहले और आखिरी महीने में महिलाओं और गर्भस्थ शिशु को प्रदूषण से सबसे ज्यादा नुकसान होता है। वहीं अमेरिका में होने वाले कुल प्रीमैच्योर बर्थ में तीन फीसदी की वजह प्रदूषण होता है। ऐसे बच्चों की संख्या 16 हजार है। प्लोस मैगजीन के मुताबिक, दुनिया भर में करीब 60 लाख बच्चे प्रदूषण की वजह से समय से पहले जन्म ले रहे हैं। इनमें से आधे बच्चे अंडरवेट यानी कम वजन के हैं।

अजन्मे शिशु के लिए सबसे सुरक्षित स्थान होता है मां की कोख, लेकिन दिल्ली-एनसीआर सहित पूरे उत्तर प्रदेश में वायु प्रदूषण से मां की कोख में पल रहे शिशु भी सुरक्षित नहीं है। बढ़ता प्रदूषण बुजुर्गों और छोटे बच्चों के साथ अजन्मे बच्चों पर भी असर डाल रहा है। यही वजह है कि डॉक्टर इस जहरीली हवा में गर्भवती महिलाओं को बाहर निकलने से रोक रहे हैं। खासतौर पर गर्भावस्था के शुरुआती और आखिरी समय में महिलाओं को घर में ही रहने को कहा जा रहा है। अधिकांश डॉक्टरों ने गर्भवती महिलाओं के लिए ऑनलाइन कंसल्टेंसी शुरू कर दी है। जरूरत पड़ने पर ही महिलाओं को चेकअप के लिए अस्पताल बुलाया जा रहा है। डॉक्टरों का कहना है कि हवा में बिखरे हैवी मेटल्स मां की सांस के जरिए अजन्मे बच्चों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। वायु प्रदूषण नवजातों के दिल, दिमाग और फेफड़ों के लिए घातक है। पीडियाट्रिक डॉ. अनुपमा वर्मा का कहना है कि प्रदूषित हवा में सांस लेने पर पॉल्यूशन प्लेसेंटा को पार कर भ्रूण तक पहुंच रहा है। प्रदूषण खून के जरिए पोषक तत्वों को शिशु तक पहुंचने से रोकता है। इससे शिशु के दिमाग और फेफड़े सही से डेवलप नहीं हो पाते हैं। बच्चों में हार्ट में परेशानी, सांस की जन्मजात बीमारी, न्यूरो डवलपमेंट पर दुष्प्रभाव, लंग्स की मैच्योरिटी पर भी असर होता है।

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

माता-पिता, शिक्षक और समाज ये तीनों अलग नहीं है। इस समाज में से ही कोई माता-पिता है, कोई शिक्षक है, कोई नेता है अधिकारी है। हम ही समाज हैं। हम सुधरेंगे, तो समाज सुधरेगा। जीव मात्र को सुख देना धर्म है और दुःख देना अधर्म है। सुखी होने का सबसे सरल उपाय है दूसरों को सुख। मानव धर्म अर्थात जो में अच्छा नहीं लगता, वह दूसरों को न दें, जैसे कि दुःख यही सबसे बड़ा धर्म है। मन से दूसरों के लिए अच्छा सोचें, सब जीवों को सुख-शांति मिले ऐसी भावना करें। भगवान भी ऐसे व्यक्तियों के लिए घर बैठे सुख पहुंचा देते हैं। जो व्यक्ति जगत के कल्याण के लिए सोचता है उसका खुद का कल्याण तो अपने आप ही हो जाता है। लालच और लोभ हमेशा दुःख के कारण बनते हैं। दूसरों से छोटी-छोटी बातों पर टकराव से जीवन विषमय बन जाता है। मेरी ही बात सही है और आपकी गलत इस आग्रह की वृत्ति को हमेशा टालें। यह संसार ऋणानुबंध है। यहां सब अपना-अपना ऋण चुकाते हैं। जब सबको सिर्फ लेन-देन चुकाना है तब मेरापने का अधिकार जताने से क्या होगा? बाहर के झगड़े तो एक बार के लिए होते हैं किंतु भीतर के झगड़े यानि मन के बैर कई जन्मों तक चलते हैं। जीवन विकास में लघुता ग्रंथि और गुरुता ग्रंथि दोनों ही बाधक हैं। हम से कई बार गलतियां हो जाती हैं इनकी वजह से मन में हीन भाव आ जाता है। गलतियां तो महापुरुषों से भी होती है, लेकिन गलती को स्वीकार करके प्रायश्चित करने से और फिर ऐसी गलती न हो,

क्रमशः

ओपिनियन

नारी सदैव अजेय

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

मोइना सिद्दीकी
पत्रकार
@jagrukjanta.net

औरत चाहे तो क्या नहीं कर सकती, वह मां, होममेकर, बिजनेसवुमन, टीचर, डॉक्टर, इंजीनियर, पुलिस, क्या नहीं है। महिला दिवस महिलाओं के इसी जज्बे को सलाम करता है। इस दिन अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर महिलाओं की कामयाबी, दृणता, सशक्तिकरण और उपलब्धियों का जश्न मनाया जाता है। महिलाओं के साथ होने वाले अन्याय पर आवाज उठाए जाने के साथ ही उनके सशक्तिकरण पर जोर दिया जाता है। इस वर्ष भी 08 मार्च के दिन अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाएगा। दरअसल, साल 1908 में अमरीकी शहर न्यूयॉर्क में 15 हजार औरतों ने सड़कों पर मार्च निकालकर नौकरी में कम घंटे, बेहतर वेतन और साथ-साथ मतदान करने के अधिकार को लेकर आवाज उठाई थी। कामकाजी महिलाओं की मांग थी कि उनकी नौकरी के घंटे कम किए जाएं, उन्हें पहले 10-12 घंटे काम कराया जाता था, जो बाद में कम कर दिया गया। यह प्रदर्शन काफी दिन चला जिसके एक साल बाद सोशलिस्ट पार्टी ऑफ अमरीका ने इस दिन को पहला राष्ट्रीय महिला दिवस घोषित कर दिया। शायर हबीब जालिब क्या खूब कहते हैं कि

तू आग में ऐ औरत ज़िंदा भी जली बरसों
साँचे में हर इक ग़म के चुप-चाप ढली बरसों

भारत में स्त्रियों को अपने दिन प्रतिदिन के व्यवहार में जूझना पड़ता है। और जिनकी शिकार होती हैं। अशिक्षा व निरक्षरता; आर्थिक स्वावलंबन का अभाव संवैधानिक तथा कानूनी प्रावधानों की जानकारी का अभाव; अधिकारों से अनभिज्ञता; घरेलू हिंसा, घर तथा कार्यस्थलों पर यौन शोषण; दहेज; बालविवाह; बालिका शिशु वध तथा भ्रूण हत्या; बलात्कार,देह व्यापार; सार्वजनिक जीवन में सीमित सहभागिता; समाज में स्त्री-पुरुष के बीच दोहरे मानदंड;

घर में भी महिला की क्या भूमिका होती है? कपड़े धोने, सफाई और खाना पकाने के अलावा, कुछ अन्य कार्यों में अधिक समानता है, दैनिक आधार पर बच्चों की देखभाल करने, किराने का सामान खरीदने जिम्मेदारी भी महिलाओं में अपने पतियों की तुलना में कहीं अधिक होती है।

दिन की रोशनी ख्वाबों को बनाने मे गुजर गई,
रात की नींद बच्चे को सुलाने मे गुजर गई,
जिस घर मे मेरे नाम की तखती भी नहीं,
सारी उमर उस घर को सजाने मे गुजर गई।

उसके बावजूद आज की महिलाएं त्याग के बलबुते पर समाज के हर पहलु से जुडी हुई है । वह आत्मनिर्भर और पढ़ी लिखी है एवं अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक है इनकी शिक्षा से आज नौकरी पेशा महिलाओं की संख्या में वृद्धि हुई है। हमारे समाज में महिलाओं की निःस्वार्थ सेवा हर क्षेत्र में है। हर साल महिला दिवस मनाकर क्या हम सिर्फ रस्म निभाते हैं या इसका कोई मतलब है? आम महिलाओं को स?वतंत्रता आंदोलन में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उनका मानना था कि यदि पुरुष देश की शान है तो महिला उस देश की नीव है। उनके कार्यों और महिलाओं के अधिकारों के लिए उनकी भूमिका को देखते हुए 13 फरवरी 2014 को भारत में राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने की शुरुआत की गई। हर महिला की सफलता दूसरी महिला के लिए प्रेरणा होनी चाहिए। हमें एक दूसरे को ऊपर उठाना चाहिए। सुनिश्चित करें कि आप बहुत साहसी हैं- मजबूत बनें, बेहद दयालु बनें और सबसे बढ़कर विनम्र बनें।"

नारी दिवस बस एक दिवस
क्यों नारी के नाम मनाना है
हर दिन हर पल नारी उत्तम
मानो , यह न ज़माना है
महिला दिवस की हार्दिक बधाई।

जागरूक जनता Selfie विद डॉटर

किट्टू डॉटर अंजली, दौसा

हमे भेजें

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

पंचांग

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 06/03/2024

सूर्योदय : 06:49 **सूर्यास्त** : 18:27 **चन्द्रोदय** : 03:37 **चन्द्रास्त** : 13:59 **शक सम्वत** : 1945 सोभाकृतु **अमान्ता महीना** : माघ **पूर्णिमांत** : फाल्गुन **सूर्य राशि** : कुम्भ **चन्द्र राशि** : धनु **पक्ष** : कृष्ण **तिथि** : एकादशी, 28:12 तक **वार** : बुधवार **शक सम्वत** : 1945 शोभकृत **चन्द्रमास फाल्गुन** : पूर्णिमान्त **विक्रम सम्वत** : 2080 नल **माघ** : अमान्त **गुजराती सम्वत** : 2080 राक्षस

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : पूर्वाषाढ़ा, 14:40 तक
योग : व्यतिपाता, 11:24 तक
प्रथम करण : बावा, 17:22 तक
द्वितिय करण : बालवा, 28:12 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	05:02 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	05:27 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:30 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	06:22 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	06:24 पी एम से
अमृत काल	10:17 ए एम से
निशिता मुहूर्त	12:07 ए एम, मार्च 07 से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : राहु
कुंभ चक्रः तल

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया
लाभ	: 06:48 - 08:15	उद्वेग : 18:26 - 19:58
अमृत	: 08:15 - 09:42	शुभ : 19:58 - 21:31
काल काल वेला	: 09:42 - 11:10	अमृत : 21:31 - 23:04
शुभ	: 11:10 - 12:37	चर : 23:04 - 00:36
रोग वार वेला	: 12:37 - 14:04	रोग : 00:36 - 02:09
उद्वेग	: 14:04 - 15:31	काल : 02:09 - 03:42
चर	: 15:31 - 16:59	लाभ : 03:42 - 05:14
लाभ	: 16:59 - 18:26	उद्वेग : 05:14 - 06:47

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज एकादशी

आज कौन सा कार्य करें

एकादशी : व्रत, उपवास, धार्मिक कृत्य, देवोत्सव, उद्यापन तथा कथा एकादशी में शुभ है।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।
ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋय दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।
यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

फाल्गुन, कृष्ण, एकादशी, 2080 बुधवार, 6 मार्च - 12 मार्च, 2024

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
कम समय में अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकेंगे। मध्यान पश्चात मित्र-परिजनों के साथ मनोरंजन के अवसर मिलेंगे धार्मिक कार्यो में भी उपस्थिति देंगे। उत्तम भोजन वाहन सुख मिलेगा।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते)
संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृषभ (ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो)
क्रय-विक्रय के व्यापार से लाभ होगा विदेशी वस्तुओ के व्यापार में निवेश आगे के लिये लाभदायक रहेगा। प्रेम प्रसंगों में सम्बन्ध बिगड़ेंगे। संध्या बाद असंयमित दिनचर्या से थकान रहेगी।

वृश्चिक (तो,ना,नी, नू,या,यी,यू)
नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

मिथुन (क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह)
आकस्मिक यात्रा के योग बनेंगे यात्रा में चोटादि का भय है सावधान रहें। सरकारी दस्तावेजो को संभाल कर रखें। संतान के कारण हानि हो सकती है। विदेशी अथवा दूर रहने वाले व्यक्ति से लाभ हो सकता है।

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे)
नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

कर्क (हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)
कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

मकर (भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,)
परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कुंभ (गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा)
नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

मीन (दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि)
आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

मोटा अनाज : उत्पादन में राजस्थान अव्वल, निर्यात में गुजरात सिरमौर

मिलेट्स उत्पादन में राज्य की हिस्सेदारी 28.6 फीसदी

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मोटा अनाज राजस्थान की पहचान रही है, लेकिन इसे गुजरात 'श्रीअन्न' के रूप में अंतरराष्ट्रीय ख्याति दिला रहा है। श्रीअन्न के निर्यात में गुजरात सिरमौर बनकर उभरा है। जबकि राजस्थान नौवें पायदान पर खिसक गया है। हैरानी की बात है कि देश में मोटे अनाज के उत्पादन में राजस्थान अव्वल है।

मिलेट्स उत्पादन में राज्य की हिस्सेदारी 28.6 फीसदी है और इसकी खेती के क्षेत्रफल में 36 प्रतिशत भागीदारी है। जबकि इसके निर्यात में हमारी एक फीसदी हिस्सेदारी भी नहीं है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय के कृषि एवं प्रसंस्करण खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) की हाल में जारी रिपोर्ट के अनुसार गुजरात ने पिछले वित्तीय वर्ष में 283.26 करोड़ रुपए (34.19 मिलियन अमरीकी डॉलर) का श्रीअन्न विदेशों में निर्यात किया है। देश से मोटे अनाज के कुल निर्यात का 45 फीसदी हिस्सा अकेले गुजरात का है। जबकि राजस्थान से महज 2.15 करोड़ का मोटा अनाज निर्यात हुआ।

दरअसल, वर्ष 2022-23 में गुजरात से 78,106.15 मीट्रिक टन श्रीअन्न विदेशों तक पहुंचा। वहीं राजस्थान से महज 405.71 मीट्रिक टन ही निर्यात किया गया। गुजरात के अलावा महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश और कर्नाटक जैसे राज्य राजस्थान से आगे हैं। गत वर्ष देश से कुल 625.33 करोड़ रुपए (75.48 मिलियन अमरीकी डालर) का श्रीअन्न निर्यात हुआ।

आईआईएमआर बना वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र

देश को श्रीअन्न का वैश्विक केंद्र बनाने के लिए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मिलेट रिसर्च हैदराबाद को वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र घोषित किया गया है। इंस्टीट्यूट ने श्रीअन्न के रेडी टू ईट और रेडी टू कुक जैसे नवाचार किए हैं। इसके खाद्य पदार्थों की 'ईट्राइट' टैग से ब्रांडिंग की जा रही है। नई दिल्ली में श्रीअन्न अनुभव केंद्र (एमईसी) खोला गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में श्रीअन्न को बढ़ावा देने के लिए सर्मपित निर्यात संवर्द्धन मंच (ईपीएफ) की भी स्थापना की गई है। श्रीअन्न विशिष्ट वेबपोर्टल के अलावा आयातकों और उत्पादकों के ई केटलॉग जारी किए गए हैं।

इस तरह विश्व पटल पर छा रहा मोटा अनाज

- » **अंतरराष्ट्रीय श्रीअन्न वर्षः** वर्ष 2023 को इंटरनेशनल डे ऑफ मिलेट्स के रूप में मनाया गया। विभिन्न कार्यर् मों का आयोजन कर श्रीअन्न, इससे बने व्यंजनों, मूल्य वर्धित उत्पादों को विश्व स्तर पर बढ़ावा दिया गया।
- » **जी-20 में दिलवाई खास पहचान :** जी-20 की अध्यक्षता के दौरान श्रीअन्न पाक कार्निवल, अंतरराष्ट्रीय व्यापार कार्यर् म, शेफ सम्मेलन, प्रदर्शनी, रोड शो, किसान मेले और दिल्ली में आसियान इंडिया मिलेट फेस्टिवल का आयोजन।
- » **वर्चुअल व्यापार मेलाः** दुनिया भर के निर्यातकों, आयातकों को मंच प्रदान करने के लिए श्रीअन्न वर्चुअल व्यापार मेला विकसित किया गया। यह 24म7, 365 दिन संचालित है।

आंकड़ों में जानिए श्रीअन्न का निर्यात

राज्य	मात्रा	कीमत
गुजरात	78106.15	34.19
महाराष्ट्र	50486.43	24.07
बिहार	19917.76	5.53
प. बंगाल	12587.49	3.52
तेलंगाना	1680.25	3.30
तमिलनाडु	2952.63	2.48
आंध्रप्रदेश	1319.78	0.61
कर्नाटक	429.25	0.35
राजस्थान	405.71 -	0.26

नव नियुक्त अधिकारियों का किया सम्मान

उदयपुर @ जागरूक जनता। प्रशासनिक फेरबदल के चलते उदयपुर नव नियुक्त हुए अधिकारियों का नारायण सेवा संस्थान द्वारा स्वागत- सम्मान किया गया। संस्थान के मीडिया एवं जनसंपर्क अधिकारी भगवान प्रसाद गौड़ और बंशीलाल मेघवाल ने देवस्थान अतिरिक्त आयुक्त अशोक कुमार, बड़गांव उपखंड अधिकारी सीमा तिवारी, बाल अधिकारी सहायक निदेशक अरुषि जैन और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक गिरीश भट्टानगर का मेवाड़ी पगड़ी और उपरणा पहनाकर अभिनंदन किया। सभी अधिकारियों को संस्थान अवलोकन का आमंत्रण भी दिया गया।

सुमन काव्य प्रतियोगिता में अव्वल

झुंझुनूं @ जागरूक जनता। कस्बे के झाझड गाँव की बहू सुमन राठौड को विश्व हिन्दी रचनाकार साहित्यिक संस्था द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित महाकवि नीरज राष्ट्रीय काव्य प्रतियोगिता में अव्वल स्थान प्राप्त कर प्रतिभाशाली रचनाकार सम्मान से सम्मानित किया गया है। संस्थान के अध्यक्ष राघवेन्द्र ठाकुर एवं प्रतियोगिता संचालक डॉ दिव्या देशमुख, डॉ प्रिया उपाध्याय डॉ सीमा शर्मा एवं निर्णायक मंडल ने इस सम्मान पत्र के साथ उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की।

पदाधिकारियों ने की शपथ ग्रहण

गोविन्दगढ़ में ब्राह्मण समाज के 175 प्रबुद्धजनों का हुआ सम्मान

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

गोविन्दगढ़। ब्राह्मण समाज राजस्थान का वरिष्ठजन सम्मान एवं शपथ ग्रहण समारोह गोविन्दगढ़ में आयोजित किया गया। जिसमें लगभग 175 प्रबुद्धजनों का सम्मान किया गया। गिरधारी दास महाराज के सान्निध्य में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्राह्मण समाज राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष पं. अंबिका प्रकाश पाठक ने की। इस अवसर पर विप्र कल्याण बोर्ड की पूर्व उपाध्यक्ष मंजू शर्मा, महिला प्रकोष्ठ प्रदेशाध्यक्ष शारदा शर्मा, डॉ. अनीता मिश्रा, नगर परिषद चौमूं उप सभापति किरण शर्मा, चौमूं थानाधिकारी प्रदीप शर्मा, गोविंदगढ़ सरपंच मेन्द्र शर्मा, धोबलाई सरपंच रमेश शर्मा, आरएएस प्रियंका शर्मा, डॉ. धीरज दुबे, समाजसेवी नितिशा शर्मा, आईपीएस लक्ष्मण शर्मा, समाजसेवी गोपाल शर्मा, नगेन्द्र वशिष्ठ, वरिष्ठ पत्रकार शिव दयाल मिश्रा, काशीनाथ, हरिशंकर गौड़ समेत बड़ी संख्या में विप्र बंधु उपस्थित रहे। जिलाध्यक्ष भुवनेश तिवाड़ी एवं पदाधिकारियों ने आगंतुक अतिथियों का दुपट्टा, साफा, शॉल एवं अभिनंदन पत्र भेंटकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में नवनियुक्त पदाधिकारियों को शपथ ग्रहण कराई गई। अंत में सभी आगंतुक अतिथि एवं सम्मानित प्रबुद्धजनों ने दाल-बाटी, चूरमा की प्रसादी ग्रहण की।

उल्लास से मनाया जा रहा श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ उत्सव

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जगदम्बा कॉलोनी नया खेडा स्थित मंगल मुखी हनुमान मंदिर के महंत श्री रघुवीर दास जी महाराज द्वारा मोक्ष नगरी शुक्र तीर्थ शुक्रताल के पवित्र भूमि में संगीत में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ 3 मार्च से 9 मार्च तक सुनाई जा रही है। कथा सयोंजक महंत श्री रामानंद दास महाराज जी ने बताया कि जगदम्बा कॉलोनी कृष्णा कॉलोनी से बस द्वारा भक्त कथा स्थल पहुचे और सभी कथा का आनंद ले रहे है। ठाकुरजी का अलौकिक श्रृंगार किया जा रहा है। इस दौरान प्रत्येक दिन प्रभात फेरी निकाली जाती है। कथा समापन पर सभी की भोजन प्रसादी रखी गयी है।

मीरा

नविता
इन्टरप्रेन्योर
@jagrukjanta.net

राधा को कृष्ण की देह मिली,
बिन देह के नेह निभा गई मीरा।
बृज भूमि में राधा ने रास रचा,
मरु भूमि में कुंज खिला गई मीरा।
कृष्ण ने द्वापर में राधा को गाया तो कलयुग में कृष्ण को गा गई मीरा।
कृष्ण के प्रेम का राधा पे कर्ज था,
राधा का कर्ज चुका गई मीरा।

ममता शर्मा की ये कविता मरु भूमि में मीरा की कृष्ण भक्ति और प्रेम को व्यक्त करती हैं। मीरा के कृष्ण प्रेम से पुरा जग परिचित हैं। जयपुर के आमेर किले से मात्र 1 किलोमीटर की दूरी पर मीरा बाई अपने गिरधर के साथ बैठी हैं, मीरा मंदिर में जो की "जगत शिरोमणि" नाम से प्रसिद्ध हैं। आमेर किले को घूमते हुए मीरा मंदीर का बोर्ड देख हम चल दिये , उस पर दिये चिह् के अनुसार और जा पहुँचे प्रवेश द्वार पर जहाँ संगमरमर के हथियो की कलाकृति ने हमारा स्वागत किया। अनेक देवी देवताओ की मूर्तिया जो एक ही पत्थर से तराशी हुई हैं, इनका स्पर्श जैसे हमारी असाध्य संस्कृति की छुवन हो। मन्दिर में मीरा बाई अपने गिरधर गोपाल के साथ भक्ति मुद्रा में बैठी हैं। कृष्ण विग्रह तो मानो अभी बोल पड़ेंगे। जान कर आश्चर्य हुआ की यह कृष्ण विग्रह वही हैं जिसकी पूजा 600 साल पूर्व मीरा बाई मेवाड राज्य में करती थी।

आमेर के शासकों द्वारा मेवाड पर मुगलो हमलो के दोरान यह कृष्ण प्रतिमा जयपुर स्थित आमेर लाई गई ताकि मुगल शासक इसे खंडित ना कर सके। कितनी विषम परिस्थितियों से जुज़ कर हम तक पहुची हैं इस आभास से ही भारतीय संस्कृति का गौरव और बढ़ जाता हैं।

मीरा मंदीर का निर्माण 1599- 1608 ईसवी में राजा मानसिंह की पहली पत्नी कनकवती ने अपने पुत्र जगत सिंह के सम्मान में करवाया था। इसी कारण मीरा मंदीर "जगत शिरोमणि" नाम से भी जाना जाता हैं। आश्चरय की बात ये है की आमेर किले में दिन भर सैलानियों का आवा गमन रहता हैं, लेकिन किले से लगे मंदीर में ज्यादा भीड़ नही दिखाई दी। स्वयं से भी शिकायत रही इतनी बार आमेर फोर्ट आकर भी कृष्ण जगत शिरोमणि और उनकी भक्त शिरोमणि मीरा बाई के दर्शनो में कुछ देर कर दी।

खेर जब कुछ देर से मिलता हैं तो उसके मिलने का आनंद उतना ही भव्य होता है , देर से ही सही कृष्ण- मीरा के दर्शन ने मन को आनंद से लबरेज कर दिया और महिना फाल्गुन का हो तो एहसास कह उठते हैं " मंदीर जाती मीरा ने कानूडो मिल गायो रे, श्याम कोई जादू कर गयो रे।

(ये लेखक के अपने विचार है)

राजस्थान ब्राह्मण सभा : पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण कार्यक्रम सम्पन्न

द्वितीय प्रांतीय अधिवेशन में जन प्रतिनिधियों का सम्मान

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान ब्राह्मण महासभा का द्वितीय प्रांतीय अधिवेशन विद्याधर नगर सिक्टर 4 स्थित परशुराम परिसर में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्थान ब्राह्मण महासभा के प्रदेशाध्यक्ष केसरीचंद शर्मा एवं मुख्य अतिथि विधायक सिविल लाइंस गोपाल शर्मा, विधायक हवामहल बालमुकुन्द आचार्य, विशिष्ट अतिथि आमेर विधायक प्रशांत सहदेव शर्मा, विधायक सरदारशर अनिल शर्मा रहे। मधुसूदन शर्मा प्रदेश प्रमुख महामंत्री ने अधिवेशन का मंच संचालन ओजस्वी भाषा का प्रयोग करते हुए बड़े ही प्रभावी तरीके से किया। इस अवसर पर अध्यक्ष केसरीचंद शर्मा ने कहा कि ब्राह्मणों को कर्मशील बनना होगा और जमाने के बदलाव के साथ आर्थिक उन्नति करनी होगी। विधायक प्रशांत शर्मा एवं विधायक गोपाल शर्मा ने कहा कि मैं समाज के लिए हमेशा तत्पर हूं। विधायक बालमुकुंद आचार्य ने कहा कि ब्राह्मण ही सनातन धर्म के रक्षक हैं। कार्य अध्यक्ष ललित मिश्रा ने कहा कि अब ब्राह्मण को पंचायत और नगर परिषद के चुनावों में भी आरक्षण मिलना चाहिए। साथ ही लोकसभा चुनाव में अधिक से अधिक ब्राह्मणों को टिकट मिले इसका प्रयास करना चाहिए। विधायक अनिल शर्मा ने कहा कि मेरे पिताजी भजनलाल शर्मा ने हमेशा ब्राह्मणों की सेवा की है। कार्यवाहक अध्यक्ष दीक्षांत शर्मा ने कहा कि ब्राह्मण समाज के उत्थान के लिए मैं और मेरा परिवार आर्थिक मदद के लिए हमेशा तत्पर रहेगा। प्रमुख महामंत्री मधुसूदन शर्मा ने कहा कि ब्राह्मणों को राजनीतिक आर्थिक एवं सामाजिक रूप से आगे लाने के लिए राजस्थान ब्राह्मण महासभा हमेशा अग्रणी रहा है। मैं पूरी कोशिश करूंगा कि आगे भी ब्राह्मणों के उत्थान के लिए राजस्थान ब्राह्मण महासभा कार्य करती रहे। अधिवेशन में राजस्थान के सभी जिला अध्यक्ष उपाध्यक्ष प्रांतीय प्रतिनिधि प्रदेश कार्यकारिणी महिला अध्यक्ष एवं युवा अध्यक्ष उपस्थित रहे। प्रदेश पदाधिकारी, कार्यकारी अध्यक्ष महेश शर्मा, कार्यवाहक अध्यक्ष दीक्षांत शर्मा प्रमुख महामंत्री मुख्यालय देवेन्द्र कुमार कार्यकारी अध्यक्ष विजय हरितवाल जयपुर जिला अध्यक्ष गोविन्द जौहरी एवं ग्रामीण अध्यक्ष जगदीश शर्मा सहित अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। सभी मुख्य अतिथियों का मधुसूदन शर्मा प्रमुख महामंत्री ने माला पहनाकर मेमोंट प्रदान किया।

कम्प्यूटर प्रयोगशाला लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। श्री अग्रसेन स्नातकोत्तर शिक्षा महाविद्यालय, केशव विद्यापीठ, जामडोली, जयपुर में भारतीय स्टेट बैंक के सहयोग से निर्मित कम्प्यूटर प्रयोगशाला का लोकार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य महाप्रबंधक राजेश कुमार मिश्रा, विशिष्ट अतिथि सुरेन्द्र सिंह, संदीप भट्टनागर, भारतीय स्टेट बैंक केन्द्रीय बोर्ड के अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह शेखावत, भारतीय स्टेट बैंक जनरल मेनेजर कल्याण गजवेल्ली, केशव विद्यापीठ समिति के सचिव ओमप्रकाश गुप्ता, अतिरिक्त सचिव अशोक कुमार गुप्ता, महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष डॉ. रामकरण शर्मा, महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. रीटा शर्मा एवं उप प्राचार्य डॉ. सतीश चन्द मंगल ने रिबन काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर लोकार्पण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। मुख्य अतिथि द्वारा अपने उद्बोधन में बताया गया कि एसबीआई सदैव शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी संस्थाओं के सहयोग हेतु तत्पर रहता है। ओमप्रकाश गुप्ता ने कहा कि एसबीआई द्वारा महाविद्यालय को 15,600,00/- के सूचना प्रोद्यौगिकी से सम्बन्धित संसाधन उपलब्ध कराये गये है। जो विद्यार्थियों के तकनीकी उन्नयन हेतु उपयोगी साबित होंगे।समापन के अवसर पर डॉ. रामकरण शर्मा ने सभी को धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम प्रभारी नरेन्द्र फोगाट रहे।

जागरूक जनता
फार्म-4 (नियम 8 देखिए)

1.	प्रकाशन स्थान	जे.पी. कॉलोनी, विद्याधर नगर, जयपुर
2.	प्रकाशन अवधि	साप्ताहिक
3.	मुदक का नाम	**ज्ञानेन्द्र मिश्रा**
	क्या भारत का नागरिक है	हाँ
	पता	बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)
4.	प्रकाशक का नाम	**ज्ञानेन्द्र मिश्रा**
	क्या भारत का नागरिक है	हाँ
	पता	बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)
5.	संपादक का नाम	**ज्ञानेन्द्र मिश्रा**
	क्या भारत का नागरिक है	हाँ
	पता	बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)
6.	उन व्यतियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हों।	उपरोक्त

मैं, ज्ञानेन्द्र मिश्रा एतद्द्वारा घोषित करता हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य है।

ज्ञानेन्द्र मिश्रा
प्रकाशक के हस्ताक्षर

बढ़ती उम्र का असर हो, प्रदूषित वातावरण का दुष्प्रभाव हो या बदलते मौसम का असर, ध्यान ना देने पर त्वचा और बाल पर इसका प्रभाव पड़ता ही है। इससे कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इनसे बचाव के साथ निखरी त्वचा और खूबसूरत बालों के लिए आप एलोवेरा जैल और जूस का यूज कर सकती हैं। कैसे, यहां आपको बता रहे हैं डिटेल में।

निखरी त्वचा-खूबसूरत बाल पाने के लिए यूज करें एलोवेरा

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

उम्र बढ़ने के साथ त्वचा और बालों से जुड़ी समस्याएं बढ़ने लगती हैं। ऐसे में अधिकतर महिलाएं त्वचा की रंगत को बनाए रखने के लिए केमिकल बेस्ड कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स का यूज करती हैं। केमिकल ट्रीटमेंट की मदद से कुछ वक्त के लिए तो त्वचा का आकर्षण बरकरार रखा जा सकता है, लेकिन इसके लंबे समय में नुकसान ही देखने में आते हैं। ऐसे में अगर आप स्किन ग्लो और अट्रैक्शन को बनाए रखने के लिए प्राकृतिक उपचार का सहारा लेती हैं तो अधिक प्रभावी हो सकता है। स्किन और बालों के नेचुरल ट्रीटमेंट के लिए एलोवेरा का इस्तेमाल बेहद कारगर साबित होता है। इससे ना केवल त्वचा को सुंदर, आकर्षक और मुलायम बनाया जा सकता है बल्कि स्किन हाइड्रेट भी रहती है।

कई प्रॉब्लम्स में इफेक्टिव

- एलोवेरा जैल/जूस को पिसी मेहंदी में मिलाकर बालों में लगाने से बाल मुलायम, काले, चमकदार और स्वस्थ हो जाते हैं।
- एलोवेरा, स्किन सेल्स को कसकर बांध देता है, जिससे समय से पूर्व झुर्रियां नहीं आती हैं। इस तरह एजिंग को रोकने में मददगार साबित होता है।
- यह ताकतवर नेचुरल मॉयश्चराइजर माना जाता है और स्किन की हाइड्रेशन को रोकने में सहायक होता है।
- यह स्किन की डेड सेल्स को हटाने में मदद करता है, जिससे स्किन सॉफ्ट और ग्लोइंग बनती है।
- सूर्य की गर्मी से प्रभावित त्वचा को सामान्य बनाने में एलोवेरा बहुत इफेक्टिव होता है।
- एलोवेरा में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो स्किन सेल्स को रिजुविनेट करता है। इसके लगातार प्रयोग से त्वचा पर उम्र के प्रभाव को कम करने और रिंकल्स को रोकने में मदद मिलती है।
- एलोवेरा जैल नई स्किन सेल्स जेनेरेशन में भी सहायक होता है।

ऐसे करें यूज

एलोवेरा जैल या जूस को त्वचा पर सीधा अप्लाई किया जा सकता है। पौधे से निकाला गया जैल पत्ते की लुगदी होती है और पत्तियों के अंदरूनी हिस्सों में पाई जाती है। पत्तियों के बाहरी भाग के नीचे से एलोवेरा जूस निकाला जाता है। एलोवेरा को घरेलू उपचार के तौर पर प्रयोग करने से पहले

पौधे को अच्छी तरह धो लेना चाहिए।

- एलोवेरा जूस या जैल को प्रतिदिन चेहरे पर 20 मिनट तक लगाकर साफ ताजे पानी से धोना फायदेमंद है। यह स्किन को सॉफ्ट और हाइड्रेट बनाए रखने में मदद करता है।
- त्वचा में नमी प्रदान करने के लिए एक कटोरी में दो चम्मच एलोवेरा जैल और दो चम्मच बादाम तेल मिलाकर सोने से पहले चेहरे पर लगा लें।

- चेहरे पर झुर्रियां मिटाने के लिए एलोवेरा का गूदा और बेसन मिलाकर बने लेप को चेहरे पर लगाकर कुछ देर बाद ताजे साफ पानी से धो डालिए। इस प्रक्रिया को आप हफ्ते में दो बार कर सकती हैं।
- गर्मी के दिनों में सूर्य की तेज धूप की वजह से त्वचा में कालापन आ जाता है। इस कालेपन को रोकने के लिए एलोवेरा के गूदे में नीबू का रस मिलाकर त्वचा पर लगा कर आधे घंटे बाद ताजे साफ पानी से धो डालिए। आप इसे हफ्ते में तीन बार लगा सकती हैं।
- कील-मुंहासों की समस्या के लिए एलोवेरा जैल में गुलाब जल मिलाकर बने पेस्ट को आधे घंटे तक लगाने के बाद साफ ताजे पानी से धोना लाभाकारी हो सकता है। इसे आप हफ्ते में तीन बार लगा सकती हैं।
- अगर आपके बाल सामान्य हैं तो एलोवेरा जैल या जूस को सीधे बालों पर लगा लें फिर पानी से धो डालिए। इससे बाल घने मुलायम और चमकदार हो जाएंगे।
- अगर आप बालों में डैंड्रफ से परेशान हैं तो एलोवेरा जैल में नीबू का रस और दही मिलाकर बने मिश्रण को बालों में लगाकर कुछ समय बाद ताजे साफ पानी से धो डालिए।
- एलोवेरा को फेसमास्क में भी उपयोग में लाया जा सकता है। एक चम्मच जई या मुल्तानी मिट्टी, एक चम्मच संतरे की छाल का पावडर, दही और एक चम्मच एलोवेरा जैल मिलाकर इस मिश्रण को त्वचा पर 30 मिनट तक लगाकर त्वचा को धो डालें।
- एलोवेरा को हेयर पैक में भी प्रयोग किया जा सकता है। एलोवेरा का क्लींजिंग पैक बनाने के लिए बेसन, दही को एक चम्मच एलोवेरा जैल में मिलाकर पेस्ट बनाकर बालों में लगा लीजिए। आधा घंटे बाद धो डालिए।

जब आप रहेंगी हेल्दी-फिट करेंगी बेहतर वर्क परफॉर्म

अच्छी लाइफ के लिए हेल्दी-फिट रहना सभी के लिए जरूरी है। लेकिन वर्किंग वूमेन के लिए यह और भी जरूरी होता है, क्योंकि इससे आपकी परफॉर्मेंस पर असर पड़ता है। कैसे रखें खुद को फिट, आपके लिए यूजफुल सजेशंस।

अपनी लाइफ के हर क्षेत्र में बेहतर परफॉर्म करने और अच्छे ढंग से जीने के लिए हर किसी को फिट रहना जरूरी है। लेकिन वर्किंग वूमेन के लिए और भी ज्यादा जरूरी होता है। इसके पीछे कुछ वजहें हैं। भले लोगों को लगता हो कि हमारा स्वास्थ्य या हमारा फिट रहना हमारी मर्जी की बात है, लेकिन अगर आप वर्किंग हैं, तो यह सिर्फ आपकी मर्जी नहीं होती है। यह एक वर्कप्लेस प्रोटोकॉल भी होता है। दरअसल, कई ऐसी जॉब्स होती हैं, जहां फिट रहना उनकी प्रोफेशनल रिक्वायरमेंट का हिस्सा होता है। जैसे एयर होस्टेस, मॉडल आदि। लेकिन जिन जॉब्स में ऐसी कोई बंदिश नहीं होती, वहां भी एंप्लॉयर की अप्रत्यक्ष इच्छा होती है कि उसके एंप्लॉई फिट रहें, क्योंकि फिटनेस सिर्फ सेहतमंद ही नहीं बनाती बल्कि आपका फिट रहना उस वातावरण को भी एनर्जेटिक और पॉजिटिविटी से भरा बनाता है।

इसलिए जरूरी है फिट रहना

जब आप फिट होती हैं तो किसी भी काम में आपका मन लगता है और प्रोफेशनली आपसे जो भी व्यक्ति मिलता है, उसे भी अच्छा लगता है। लेकिन अगर आप अनफिट हैं, बेडौल हैं, तो कई तरह की लाइफस्टाइल बीमारियों से घिर सकती हैं। उससे भी बड़ी बात यह होती है कि अनफिट लोगों को अपने वर्क में मन नहीं लगता है।

विभिन्न शोध सर्वेक्षणों में पाया गया है कि फिट रहने वालों को प्रमोशन अनफिट रहने वालों के मुकाबले 10 से 15 फीसदी तक ज्यादा मिलता है। उसमें भी अगर महिलाएं हैं तो उन पर तो यह बात और शिद्दत से लागू होती है, क्योंकि फिट महिलाएं अपने वर्क को बेहतर ढंग से अंजाम देती हैं। इसलिए वर्किंग महिलाओं को फिट रहना बहुत जरूरी है। अगर आप हर साल प्रमोशन से महज इसलिए चूक जाती हैं, क्योंकि अपने एंप्लॉयर की नजर में आप महत्वपूर्ण नहीं हैं, तो आपकी महत्ता ना समझने में आपका अनफिट होना भी शामिल हो सकता है।

जब आप फिट होती हैं तो घर और ऑफिस दोनों को अच्छी तरह से संभाल लेती हैं, लेकिन जब आप फिट नहीं होतीं, तो आपका घर भी बिखरा रहता है और ऑफिस में भी आपकी बहुत सारी जिम्मेदारियां पेंडिंग रहती हैं।

आजमाएं ये उपाय

फिट रहने के लिए आप यहां बताई जा रही बातों को फॉलो कर सकती हैं।

- वर्किंग महिलाओं को रात में भरपूर नींद लेनी चाहिए। जब आप भरपूर नींद लेती हैं तो फ्रेश, एनर्जेटिक फील करती हैं।
- हर दिन कम से कम 6 से 7 गिलास पानी पीना चाहिए, जिसमें दो से तीन गिलास गुनगुना पानी हो। जब आप पर्याप्त हाईड्रेट रहती हैं तो हाजमा दुरुस्त रहता है और इससे आप कई तरह की बीमारियों से बची रहती हैं।
- वर्किंग वूमेन को डेली न्यूट्रिशस और बैलेंस डाइट ही लेना चाहिए। उनके भोजन में हर दिन विटामिन सी से भरपूर खाद्य पदार्थ और फल जरूर होने चाहिए।
- वर्किंग महिलाओं को धूम्रपान से बचना चाहिए। इससे आपकी हेल्थ और फिटनेस दोनों पर बुरा असर पड़ता है। वैसे तो सभी महिलाओं को धूम्रपान से दूर रहना चाहिए।
- वर्किंग वूमेन को कम से कम हफ्ते में चार दिन एक्सरसाइज जरूर करनी चाहिए।
- अगर फिजिकल एक्सरसाइज करने में दिक्कत होती है तो योगासन और प्राणायाम जरूर करना चाहिए। इससे तन स्वस्थ और मन मजबूत रहता है।

ऐसे रहें ऊर्जा से भरपूर

डॉ. मोनिका शर्मा

फिक्र में डूबता-उतराता मन और थकान से जूझता तन, आजकल हर उम्र के लोगों को यह शिकायत रहती है। आपके साथ भी ऐसा ही कुछ है तो अपनी सोच को सही दिशा दीजिए। मन-जीवन को सधी-स्वस्थ जीवनशैली की ओर मोड़कर सकारात्मकता को साथी बनाते हुए ऊर्जा जुटाने के मार्ग पर आइए। हर परिस्थिति में डटे रहने की ठान लीजिए। आस्था और मानवीय अनुभूतियों के साथ सामाजिकता के भाव को जीते हुए ऊर्जावान व्यक्तित्व के धनी बनिए।

अपनाएं सधी-स्वस्थ दिनचर्या

हर दिन, हर पल ऊर्जावान बने रहने के लिए जरूरी है, हम स्वास्थ्य सहेजने से लेकर अपनी उत्पादकता बढ़ाने तक अच्छा शेड्यूल बनाएं। सधी हुई जीवनशैली ना केवल अपने जीवन पर नियंत्रण रखने की मनःस्थिति बनाती है बल्कि सफल होने के मार्ग भी खोलती है। भागम-भाग से उपजे तनाव और चिंता के बजाय एकाग्र और प्रतिबद्ध रहने का मनोबल मिलता है। शारीरिक स्वास्थ्य संभालने के लिए समय मिल पाता है। संबंधों को सींचने के लिए साथ रहने के अवसर निकल पाते हैं। कुछ नया सीखने का उत्साह बना रहता है। आप चाहे जिस क्षेत्र से जुड़ी हों, काम की गुणवत्ता बढ़ती है। सकारात्मक मानसिकता का आधार तैयार करने वाली अच्छी दिनचर्या समय के सदुपयोग की राह सुझाती है। ऐसी सभी बातें समग्र रूप से इंसान को बेहतर महसूस करवाती हैं। असल में ऊर्जावान शब्द ग्रीक के 'एनर्जेटिकोस' से आया है। जिसका अर्थ है 'सक्रिय होना'। सक्रियता का अर्थ ही है अतिरिक्त उत्साह और उमंग के साथ काम करना। ऐसे में ऊर्जावान बने रहने का मतलब कुछ पाने के लिए कड़ी मेहनत करने से जुड़ा प्रभावी प्रयास भी कहा जा सकता है। कर्मशील रहने की ऐसी यात्रा जिसमें हर दिन, हर क्षण उत्साह कायम रहे।

मन की सेहत संभालें

तेजस्वी और तंदुरुस्त व्यक्तित्व के धनी बनने के लिए मन का स्वास्थ्य संभालना बेहद आवश्यक है। मौजूदा समय में हर कोई एक भावनात्मक टूटन से जूझ रहा है। जीवन में कोई कमी ना होकर भी खालीपन घेरे हुए है। चिड़चिड़ापन, निराशा, अपराधबोध, थकान और सुस्ती महसूस करने की शिकायत हर आयुवर्ग के लोगों के मन में है। इन स्थितियों में स्वयं को भावनात्मक रूप से मजबूत रखने की दरकार होती है।

अगर मन ही टूटन और उलझन से घिरा हो तो कोई युक्ति इंसान को ऊर्जावान नहीं बना सकती। सुखद है, भारतीय जीवनशैली में तो सदा से मन का स्वास्थ्य संभालने के लिए योग, प्राणायाम और ध्यान करने की बात कही गई है। घर के बड़े-बुजुर्ग मन को शांत सहज रखने की सीख बचपन से देने लगते हैं। आज के समय में मनोवैज्ञानिक भी शारीरिक सेहत सुधारने से लेकर जीवन को संवारने तक, मन की ऊर्जा को साधने का परामर्श देते हैं। बेचैनी, अवसाद और अकेलेपन का कसता शिकंजा हमारी ऊर्जा सोखता है। यही वजह है कि प्रखर प्रभावी बने रहने के लिए मन की ऊर्जा को साधना बेहद जरूरी है। सकारात्मक मनःस्थिति विपरीत परिस्थितियों में भी हमें ऊर्जावान बनाए रखती है।

आस्था का भाव

आज हर किसी का मन-जीवन चिंता के घेरे में है। कभी भविष्य से जुड़ी फिक्र तो कभी वर्तमान की उलझनें। यहां तक कि बीत गए दौर से जुड़ी चिंता भी मन मस्तिष्क को व्यथित करती रहती है। ऐसे में आस्थावान होना मन को थामता है। भविष्य की आशाओं को बल देता है। तकलीफदेह हालातों में भी सकारात्मक बने रहने की प्रेरणा मिलती है। हमारी पारंपरिक जीवनशैली में रचा-बसा आस्था का भाव ही है कि आपाधापी के दौर में भी हमारे यहां अवसाद और अकेलेपन के आंकड़े विकसित और सुविधा संपन्न जीवनशैली वाले देशों से कम हैं। कहते भी हैं कि सांसारिक जीवन में मौजूद प्रेमिल जुड़ाव में ईश्वर से जुड़ा प्रेमपगा भाव सबसे ऊपर होता है। इसमें सभी के कल्याण की चाह होती है। ईर्ष्या और किसी भी तरह की नकारात्मक से दूर 'सर्वे भवंतु सुखिनः' के ऐसे मनोभाव भी जीवन को ऊर्जस्वित रखते हैं।

सामाजिक बनें

सामाजिक जीवन से बढ़ती दूरी की ओर जरा ध्यान कम ही जाता है। बड़े शहरों में ही नहीं, गांवों-कस्बों में भी लोग अपने आप तक सिमटकर जीने लगे हैं। सच तो यह है कि ऊर्जावान बने रहने के लिए सामाजिक होना आवश्यक है। अपने परिवार, परिवेश और समुदाय से जुड़कर मन-मस्तिष्क को एक आश्वस्ति मिलती है। रिश्ते खुशहाल बनते हैं। सुख-दुःख साझा करने का माहौल मिलता है। वियना यूनिवर्सिटी में हुए एक अध्ययन के मुताबिक प्रतिभागियों की प्रतिक्रिया में सामाजिक व्यक्तित्व का काफी असर रहा। साइकोलॉजिकल साइंस में प्रकाशित इस अध्ययन में सामने आया कि जिन लोगों ने आठ घंटे तक सामाजिक अलगाव का अनुभव किया, उनमें थकान का स्तर अधिक पाया गया। स्टडी के परिणामों के अनुसार कम ऊर्जा, सोशल कम्युनिकेशन की कमी के कारण उपजी मानवीय प्रतिक्रिया भी हो सकती है। असल में सामाजिक संवाद से शरीर को फील गुड हार्मोन मिलते हैं। आपसी जुड़ाव की बुनियाद पर एक भरोसा पनपता है। यह भरोसा मन जीवन को थकान और ऊब से दूर रखता है। परंपराओं और संस्कृति से जुड़ना हर बार एक नया उत्साह देने वाला होता है। हंसी-खुशी स्नेह-साथ भरा समय बिताने और मानवीय भावनाओं को जीने-जानने की ऐसी परिस्थितियों में इंसान हर पल ऊर्जावान बना रहता है।

एक सीनियर को ऑफिस में अपने जूनियर्स से काम लेना ही होता है, सभी काम खुद नहीं किए जा सकते, टीम वर्क की जरूरत होती है। आपके जूनियर्स काम मन से, सही ढंग से और समय पर करें, इसके लिए आपको काम कराने की कला जरूर आनी चाहिए। इससे आपके ऑफिस का माहौल भी अच्छा रहेगा।

क्या आपको आती है लोगों से काम लेने की कला

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

हम में अपनी निजी जिंदगी और पेशेवर जिंदगी की जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए बहुत सारे काम करने पड़ते हैं। लेकिन हमारी कुछ शारीरिक और मानसिक सीमाएं होती हैं। समय की पाबंदी होती है। वैसे भी हम इस दुनिया में हर काम अकेले नहीं कर सकते। ना ही लोगों की मदद के बिना हम एक सफल व्यक्ति बन सकते हैं। ऐसे में हमें लोगों से काम कराने की कला जरूर आनी चाहिए।

उठाएं सपोर्ट टीम का लाभ: यह एक ऐसी कला है, जिसे आप व्यवहार कुशल होकर ही सीख सकती हैं। अगर आप लोगों से काम लेना सीख जाती हैं, अपनी एक सपोर्ट टीम तैयार करने में सक्षम हैं तो आपके पास दिन में चौबीस नहीं बल्कि कई अतिरिक्त घंटे हो जाएंगे। कई बार लोग वर्कफोर्स की उपलब्धता के बावजूद उसका समुचित लाभ नहीं उठा पाते हैं।

व्यावहारिक बनें: कुछ लोग हमेशा अपने अधीनस्थों को गलत समय पर काम सौंपते हैं फिर सारा दोष इन पर मढ़ने की कोशिश करते हैं। किसी व्यक्ति को काम सौंपने से पहले ध्यान दें कि आप उसे अपने पर्सनल टाइम यानी अवकाश के दिन को बर्बाद करने के लिए तो नहीं कह रहीं या उसकी व्यक्तिगत क्षमता या समझ से बाहर का काम तो नहीं दे रही हैं।

विनम्रतापूर्वक पेश आएं: लोगों से बात करते समय वैसा ही व्यवहार करें, जैसे आप उनसे चाहती हैं। उनसे मित्रतापूर्ण व्यवहार करें। उन्हें आश्वस्त रखें कि वे जो मेहनत करेंगे, उसका पूरा क्रेडिट उन्हीं को मिलेगा। दूसरों के सामने अपमानित करना या उनकी तुलना दूसरों से करना, आपके सपोर्ट सिस्टम को कमजोर करेगा।

असफल होने पर उत्साहित करें: कई बार आपका सहायक आपकी उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाता और काम में असफल हो जाता है। ऐसे में उसे हताश ना होने दें। उसकी गलतियों को समझें और उसे बताएं। फिर दोबारा पूरे उत्साह से नए तरीके से काम करने को कहें। आपका यह व्यवहार उसे दोगुने जोश के साथ काम करने के लिए प्रेरित करेगा।

उनके दुख-सुख में शरीक हों: अपने टीम मेंबर्स या सपोर्ट टीम को अपने परिवार के सदस्य की तरह समझें। उनके दुख-सुख में शरीक हों। उन्हें किसी प्रकार की परेशानी ना होने दें। इससे उनके साथ आपकी आत्मीयता बढ़ेगी और आपके प्रति उनका समर्पण भी बढ़ेगा।

आइडिया शेयर करें: हर व्यक्ति की अपनी सोचने की क्षमता होती है। सबका अलग नजरिया और अलग विचार होते हैं। कई बार आपकी समस्याओं के समाधान दूसरों के दिमाग में आ सकते हैं। ऐसे में आपको अपनी सपोर्ट टीम के सदस्यों को हर बात पर खुलकर अपने विचार रखने के लिए प्रेरित करना चाहिए, उनके विचारों को खुले दिमाग से सुनना चाहिए। कई बार आपको ऐसे ठोस आइडिया मिल सकते हैं, जो आपकी पर्सनल या प्रोफेशनल लाइफ को एक नई ऊंचाई पर ले जा सकते हैं।

पुरस्कृत और सम्मानित करें: समय-समय पर अपने सहयोगियों को पुरस्कृत और सम्मानित करती रहें। इससे वे आपकी गुड बुक में आने के लिए सदैव समर्पित भाव से और पूरे उत्साह से आपके लिए काम करेंगे। हो सकता है कि वे आपके लिए नए बिजनेस प्रपोजल लाएं। आगे बढ़कर आपकी कठिनाइयों को दूर करें और कदम-कदम पर आपका साथ दें। इससे आप की राह काफी आसान हो जाएगी।

सीखें डेलीगेशन की कला

डेलीगेशन का मतलब अपने मातहत या सहकर्मियों को मात्र काम सौंपना नहीं होता, बल्कि उन्हें सही निर्देश देकर काम को पूरी कुशलता से अंजाम देने की कला है। इसके लिए आपको अपने सहायकों के मनोविज्ञान, उनकी प्रतिभा और कार्य क्षमता का अंदाजा सही-सही लगाना होगा।

यूईएम जयपुर ने मनाया अपना 9वां दीक्षांत समारोह

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। यूईएम जयपुर का 9वां वार्षिक दीक्षांत समारोह आयोजित किया। जिसमें इंजीनियरिंग, प्रबंधन, फिजियोथेरेपी और कंप्यूटर एप्लीकेशन के स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी पाठ्यक्रमों के लिए 2023 के उत्तीर्ण छात्रों के लिए चोमू, में अपने गुरुकुल परिसर की शोभा बढ़ाई गई। कुल 317 छात्रों ने विभिन्न विषयों में डिग्री प्राप्त की, जिसमें मेधावी छात्रों को 16 स्वर्ण, 13 रजत व 13 कांस्य पदक से सम्मानित किया गया।

दीक्षांत समारोह की शुरुआत रजिस्ट्रार प्रोफेसर डॉ. प्रदीप कुमार शर्मा के नेतृत्व में एक भव्य शैक्षणिक प्रोसेशन के साथ हुई, जिसके बाद समारोह के मुख्य अतिथि कपिल गर्ग पूर्व आईपीएस और पूर्व पुलिस महानिदेशक, राजस्थान अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। जुलूस के बाद विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा सरस्वती वंदना की भावपूर्ण प्रस्तुति दी गई। शिक्षा क्षेत्र से उल्लेखनीय हस्तियाँ, जिनमें प्रो. (डॉ.) विश्वजॉय चटर्जी, कुलपति, प्रो. (डॉ.) प्रदीप कुमार शर्मा, रजिस्ट्रार, और प्रो. (डॉ.) अनिरुद्ध मुखर्जी, डीन-अकादमिक, विभाग प्रमुखों के साथ और शामिल हैं। संकाय सदस्यों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम में विभिन्न विधाओं में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले छात्रों को प्रशंसा मिली। स्नातकों को सीनेट और अध्यक्ष द्वारा उनकी डिग्रियाँ प्रदान की गईं।

चेयरपर्सन कपिल गर्ग ने शैक्षणिक प्रतिज्ञा का नेतृत्व किया, जिसमें छात्रों से अनुशासन अपनाने, नई प्रौद्योगिकियों को अपनाने और समाज में सार्थक योगदान देने का आग्रह किया गया। विशिष्ट अतिथि डॉ. अजय दाता ने ईमानदारी और निरंतरता के महत्व पर जोर दिया, जबकि डॉ. जरनैल सिंह आनंद ने मानव जीवन में साहित्य के महत्व को रेखांकित किया। दीक्षांत समारोह का समापन प्रबंधन विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) प्रीति शर्मा द्वारा दिए गए धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिसके बाद विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा राष्ट्रगान प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर डॉ. मुकेश यादव, अंग्रेजी विभागाध्यक्ष, प्रोफेसर डॉ. जी. उमा देवी प्रोफेसर सीएसई और प्रोफेसर डॉ. राहुल शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर मैनेजमेंट द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया। इस कार्यक्रम को लगभग त्रुटिहीन ढंग से संपन्न करने के लिए सभी स्वयंसेवक छात्रों ने समर्पण भाव से बहुत कड़ी मेहनत की। डिग्री प्रमाणपत्र प्राप्त करने वाले सभी छात्र बहुत खुश थे और दीक्षांत समारोह के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में रहने का आनंद लिया।

ग्रामीण युवाओं के स्वरोजगार का मार्ग प्रशस्त कर रहे ज़िंक कौशल केंद्र

चंदेरिया की लविना और बस्सी के अंकित की तरह ही कई सफल युवा है मार्गदर्शक

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। देश के ग्रामीण क्षेत्रो में बेराजगारी का मुख्य कारण युवाओं में कौशल की कमी है। जिम्मेदार उद्योग के रूप में सीएसआर के तहत् हिन्दुस्तान ज़िंक द्वारा विशेष रूप से स्थानीय ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार से जोडने के लिए ज़िंक कौशल केंद्र के माध्यम से उनके भविष्य को सुदृढ़ करने हेतु प्रयास किये जा रहे है। स्थानीय युवाओं के लिए उपलब्ध रोजगार के अवसरों के साथ.साथ युवाओं की रुचि के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों की पहचान कर भौगोलिक क्षेत्रों में मूल्यांकन सर्वेक्षणों के अनुसार कार्यक्रम शुरुआत की जाती है। हिन्दुस्तान ज़िंक कौशल केन्द्र से जुड़कर संचालन क्षेत्र के उदयपुर राजसमंद चित्तौडगढ़ भीलवाडा और अजमेर के आस पास के क्षेत्र के 6 हजार से अधिक ग्रामीण व शहरी युवा अपने सपनों को साकार कर रहें है।

ज़िंक कौशल केन्द्र से कई युवा प्रशिक्षण प्राप्त कर विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार एवं स्वरोजगार से जुडे हैं। उन्ही में से एक है चन्देरिया निवासी लविना सिसोदिया जो कि जिंक कौशल केन्द्र से प्रशिक्षण प्राप्त कर गांव की युवतियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बन गई हैं। लविना का परिवार आज उसकी मेहनत से अपने सपनों को साकार करने की दिशा में अग्रसर हैं। जीवन में उच्च महत्वकांक्षाए रखने वाली लविना को जिंक कौशल केन्द्र की जानकारी मिलने पर उसने 2 माह के बीएफएसआई कोर्स में प्रवेश लिया जहां उसे निःशुल्क प्रशिक्षण के साथ स्वयं के व्यक्तित्व विकास के अवसर भी मिले। आज वह गैर सरकारी संस्था में कार्य करते हुए आर्थिक रूप से सशक्त बन दूसरों के लिये सफलता की मार्गदर्शक है। ऐसे ही दूसरा उदाहरण बस्सी क्षेत्र के पालका गांव के रहने वाले अंकित शर्मा का हैं जिनका सपना मैकेनिकल इंजीनियर बनने का था। शिक्षा पूरी करने के बाद अंकित ने अपने सपने को पूरा करने के अथक प्रयास किये लेकिन उसे निराशा हाथ लगी। उन्हें जिंक कौशल केन्द्र के बारे में जानकारी मिली। बीएफएसआई कोर्स में प्रवेश लिया और कोर्स पूर्ण करने के पश्चात प्लेसमेंट के दौरान अंकित अडानी केपीटल में चयनित हुए। अंकित के सपनों को पंख मिलते ही उन्होंने पूरी मेहनत और लगन से कार्य की शुरुआत की। कुछ समय बाद ही अंकित का चयन एचडीएफसी बैंक में हो गया। अंकित की इस सफलता से उनका परिवार बहुत खुश हैं।

जिंक कौशल केन्द्र सिर्फ युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षण ही उपलब्ध नही कराता हैं बल्कि उनके व्यक्तित्व के विकास के लिए भी प्रशिक्षण के दौरान नियमित तौर पर तैयार कर रहा हैं। जिंक कौशल केंद्र के माध्यम से युवाओं को उद्यम स्थापित करने में तकनीकी सहायता और गैर वित्तीय सुविधा के साथ यह कार्यक्रम युवाओं को आत्मनिर्भर और स्वउद्यमी बनने के लिए कौशल प्रदान कर रहा है और इनमें से कई युवाओं के लिए रोजगार के अवसर प्रदान करने में कामयाब रहा है। युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के कंपनी के प्रयासों से करीब 6 हजार से अधिक युवाओं को कौशल विकास से जोडने और उनमें से 5 हजार से अधिक के रोजगार एवं उद्यमी के रूप में कार्यरत होकर सफलता की ओर अग्रसर हो रहे है।

जन जागरूकता रथ के जरिए फैला रहे स्वास्थ्य जागरूकता

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बूंदी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बूंदी व विकल्प इंडिया सोसायटी जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय बाल सुरक्षा कार्यक्रम का प्रचार रथ वाहन में पंपलेट, माइकिंग व आईईसी की विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से जन जागरण किया जा रहा है। बूंदी जिले के नगरीय क्षेत्र व प्रत्येक ब्लॉक हिंडोली, तालेड़ा, बूंदी, लाखेरी, नैनवा के गांव में रथ वाहन के जरिए विद्यालयों व आंगनवाड़ी के विधार्थियो के स्वास्थ्य के बारे में वहा के निवासियों एवं किशोर किशोरियों को अवगत कराया जा रहा है। सोसायटी अध्यक्ष संजय कटारा ने बताया कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) एक नई पहल है जिसका उद्देश्य 0 से 18 वर्ष तक के बच्चो में 4 डीएस जन्म के समय दोष, बीमारियां,कमियां और विकलांगता सहित विकास में देरी की जांच करना है जिन बालको में बीमारी का पता चलता है उनका इलाज (एनएचएम) राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत तृतीय स्तर पर सर्जरी सहित अनुवर्ती कारवाही मुफ्त में की जाती है। इसका मूल उद्देश्य बच्चो की मृत्यु दर और रुग्णता दर को कम करना, व उनके जीवन की समग्र गुणवता में सुधार करना है।।

होम्योपैथिक कॉलेज केकड़ी का होम्योपैथिक कॉलेज उदयपुर के साथ हुआ एमओयू

केकड़ी @ जागरूक जनता। डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विवि, जोधपुर के संघठक यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ़ होमियोपैथी, केकड़ी एवं जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ डीम्ड विवि के संघठक होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के बीच शैक्षणिक आदान-प्रदान को लेकर एमओयू हुआ। कुलपति प्रो.एस.एस. सारंगदेवोत की अध्यक्षता में हुए एमओयू पर यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ़ होमियोपैथी, केकड़ी की ओर से प्राचार्य एवं चिकित्सा अधीक्षक डॉ. पुनीत आर शाह, सह आचार्य डॉ. नीता शर्मा व विद्यापीठ विवि की ओर से रजिस्ट्रार डॉ. तरुण श्रीमाली, प्राचार्य एवं चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राजन सूद, प्रो. डॉ. लिली जैन ने हस्ताक्षर किए। कुलपति प्रोफेसर एस. एस. सारंगदेवोत ने कहा कि समन्वय और सहयोग से ही उच्च शिक्षा में विकास संभव है। इस एमओयू के तहत वर्ष में कम से कम एक राष्ट्रीय संगोष्ठी, एक सप्ताह से लेकर एक माह तक फैकल्टी एक्सचेंज कार्यक्रम, शोधार्थी का आदान-प्रदान किया जाएगा। एमओयू निर्धारित विषयों एवं लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक साथ काम करने का सांझा करार होता है।

तंबाकू मुक्त विद्यालय के लिए विधार्थी-शिक्षक ले रहे है शपथ

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सवाईमाधोपुर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं जिला नोडल अधिकारी राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम सवाई माधोपुर व विकल्प इंडिया सोसाइटी जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में सवाईमाधोपुर जिले के ब्लॉक सवाईमाधोपुर, खंडार, बोंली, गंगापुर, बामनवास क्षेत्र में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत तंबाकू मुक्त विद्यालय हेतु जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं जिसमें कोटप्पा अधिनियम 2003 के तहत तंबाकू व धूम्रपान के दुष्प्रभावों की जानकारी देकर नियमो से अवगत किया जा रहा है, तंबाकू व धूम्रपान के सेवन को छोड़ने हेतु निजी एवं राजकीय विद्यालयों /महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को प्रेरित किया जा रहा है। साथ ही विद्यालय परिसर में तंबाकू नियंत्रण हेतु विद्यार्थियों शिक्षकों को आमुखीकरण गतिविधियों के माध्यम से पंपलेट, पोस्टर, बैनर, आदि आईसी का वितरण कर विद्यालय परिसर में सोसायटी द्वारा चस्पा कराए जा रहे हैं। प्रत्येक शिक्षक, कार्मिक व विधार्थियो से शपथ करवाकर तंबाकू व धूम्रपान उत्पादों से दूरी बनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। छात्र-छात्राओं को तंबाकू नियंत्रण कमेटियों का गठन एवं विद्यालय परिसर में 100 गज की परिधि तंबाकू उत्पादों के विक्रय एवं सेवन करते हुए पाए जाने पर 200 के जुर्माने का प्रावधान हेतु अवगत कराया जा रहा है। निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित कर विद्यार्थियों को पुरुस्कृत किया जा रहा हैं। सोसायटी के अध्यक्ष संजय कटारा ने बताया कि सोसायटी द्वारा प्रत्येक ब्लाक में परियोजना अधिकारी गौरव कुमार मिश्रा, अनिल कुमार, वैभव मिश्रा जिले में परियोजना का संचालन कर रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन: अंतर्राष्ट्रीय प्रथम अग्र विभूति अलंकरण समारोह

32 अग्र विभूतियों का होगा कोलकाता में सम्मान

8 जून 2024 को होटल हिंदुस्तान इंटरनेशनल देश विदेश में रहने वाली 32 हस्तियों को अलग-अलग क्षेत्र में किया जाएगा सम्मानित, पहली बार अग्रवाल समाज द्वारा पूरे देश भर में किया जा रहा ऐसा आयोजन.... राज कुमार मित्तल

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कोलकाता। अंतरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन परिवार द्वारा आगामी 8 जून को होटल हिंदुस्तान इंटरनेशनल कोलकाता में

प्रथम अग्र विभूति अलंकरण समारोह का आयोजन किया जा रहा है, इस आयोजन में देश-विदेश में रहने वाले अग्रवाल समाज के अलग-अलग क्षेत्र में काम करने वाली 32 जानी-मानी हस्तियों को सम्मानित किया जाएगा, उपरोक्त जानकारी देते हुए अंतरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के अध्यक्ष राजकुमार मित्तल एवं प्रथम अग्र विभूति अलंकरण समारोह की राष्ट्रीय संयोजिका उमा बंसल ने बताया कि इस आयोजन को लेकर वृहद रूप से तैयारियां प्रारंभ कर दी गई है, तथा समाज बंधुओ के सहयोग से यह भव्य आयोजन संपन्न होगा, जिसमें अलग-अलग क्षेत्र में काम करने वाली हस्तियों से उनके क्षेत्र अनुसार आवेदन लिए जाएंगे एवं प्राप्त आवेदनों पर चयन कर 8 जून के कार्यक्र म में सम्मानित किया जाएगा, अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के अध्यक्ष राजकुमार मित्तल ने बताया कि यह आयोजन सम्मेलन की कोलकाता वृहत्तर शाखा के आतिथ्य में किया जा रहा है, जिसमें कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कोलकाता वृहत्तर शाखा भी जुटी हुई है एवं प्रथम अग्र विभूति अलंकरण समारोह के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक आयोजन समिति का भी गठन किया गया है जिसमे सभी प्रदेशों से सम्मानीय सदस्यों को शामिल कर अलंकरण समारोह कार्यक्रम को भव्यता प्रदान कर इसके सफल आयोजन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। 32 अलग-अलग क्षेत्रो में अग्रवाल समाज की देश-विदेश में निवासरत हस्तियों को दिए जाने वाले पुरस्कारों के नाम क्षेत्र एवं प्रायोजकगण...

- अग्रश्री उद्यमी पुरस्कार-उद्योग एवं व्यापार के क्षेत्र में परचम लहराने पर- स्वर्गीय नरमा देवी मित्तल एवं रामकुमार मित्तल की पुण्य स्मृति में सुपुत्र राजकुमार मित्तल, "आर.के.एम. ग्रुप" आसनसोल (पश्चिम बंगाल) की ओर से
- अग्रश्री महिला उद्यमी पुरस्कार- राष्ट्रीय स्तर पर उद्योग व व्यापार के क्षेत्र में महिला उद्यमी द्वारा परचम लहराने पर-"स्व. ताराचंद अग्रवाल एवं अतरी देवी की पुण्य स्मृति में प्रदीप कुमार अग्रवाल की प्रेरणा से सी.ए. अंकित अग्रवाल कोरबा (छत्तीसगढ़) की ओर से
- अग्रश्री युवा उद्यमी पुरुस्कार-राष्ट्रीय स्तर पर उद्योग के क्षेत्र में परचम लहराने वाले 45 वर्ष तक के अग्रवशी युवाओं को प्रोत्साहन स्वरूप- लीलाधर सुल्तानिया "हरि केसरी राइस ब्रान ऑयल" बनारी, जांजगीर (छत्तीसगढ़) की ओर से
- अग्रश्री महा गौरव पुरस्कार-यूपीएससी में चयन पर अग्रकुल के उत्कृष्ट को- स्वर्गीय चमेली देवी अग्रवाल एवं बनारसी दास अग्रवाल की पुण्य स्मृति में सुपुत्र बाबूलाल अग्रवाल अधिवक्ता, रायगढ़ (छत्तीसगढ़) की ओर से
- अग्रश्री महिला रत्न पुरुस्कार-विधि एवं न्याय के क्षेत्र में न्यायाधीश, न्यायिक सेवाए एवं अधिवक्ता के रूप में सर्वश्रेष्ठ सामाजिक सेवाएं देने वाली महिलाओं को- कर्मठ समाज सेवी धर्मानुरागी इंदु गुप्ता धर्मपत्नी अवध किशोर गुप्ता मेरठ (उत्तर प्रदेश) की ओर से
- अग्रश्री वीर पुरस्कार- वीरता या साहस के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर- स्वर्गीय श्रीकिशन अग्रवाल की पुण्य स्मृति में सुपुत्र सुशील अग्रवाल, मेसर्स श्रीकिशन एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड,रायपुर (छत्तीसगढ़) की ओर से
- अग्रश्री शिरोमणि पुरस्कार- समाज सेवा के क्षेत्र में वन पर्यंत काम करने पर- सेठ परमेश्वरी लाल शिवशंकर अग्रवाल (पर्दा वाले) रायपुर (छत्तीसगढ़) की ओर से (इस पुरस्कार के लिए अवधि सीमा का बंधन नहीं है)
- अग्रश्री भामाशाह पुरस्कार-अस्पताल, धर्मशाला इत्यादि के निर्माण पर (पूर्ण होने पर)- स्वर्गीय सावित्री देवी एवं सेदूराम अग्रवाल की पुण्य स्मृति मे सुपुत्र पवन कुमार अग्रवाल "हिंद ग्रुप" बिलासपुर, (छत्तीसगढ़) की ओर से
- अग्रश्री गौ सेवा पुरस्कार- गौ सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर- स्वर्गीय लखनलाल अग्रवाल की पुण्य स्मृति में डी. मनोहर लाल अग्रवाल शक्ति (छत्तीसगढ़) की ओर से
- अग्रश्री रत्न पुरस्कार-राजनैतिक क्षेत्र में अभूतपूर्व सफलता अर्जित करने पर- विवेक अग्रवाल "जी.एल.ए. यूनिवर्सिटी" मथुरा (उत्तरप्रदेश) की ओर से
- अग्रश्री जीनियस पुरस्कार-शिक्षा या समकक्ष क्षेत्र गोल्ड मेडलिस्ट- प्रहलाद राय एंड संस चंद्रपुर जिला- शक्ति (छत्तीसगढ़) की ओर से
- अग्रश्री पर्यावरणविद पुरस्कार-पर्यावरण एवं स्वच्छता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने पर स्वर्गीय रामदास अग्रवाल की पुण्य स्मृति में सुपुत्र सुनील रामदास अग्रवाल, रायपुर (छत्तीसगढ़) ओर से
- श्री अग्रसेन माधवी पुरस्कार-महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने पर स्वर्गीय प्रभुराम अग्रवाल (ऑटो सेंटर ग्रुप) की पुण्य स्मृति में सुपुत्र पवन अग्रवाल, संजय अग्रवाल, कोरबा (छत्तीसगढ़) की ओर से
- अग्रश्री सेवा दूत पुरस्कार- समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियों पर- मे.रुक्मणि पावर एंड स्टील प्राइवेट लिमिटेड, खरसिया (छत्तीसगढ़) की ओर से
- अग्रश्री पर्वतारोही पुरस्कार- पर्वतारोहण के क्षेत्र में गौरव हासिल करने पर- विश्वनाथ सिंघानिया, "मेसर्स मोनटेक इलेक्ट्रो मीटर्स प्राइवेट लिमिटेड" साल्ट लेक सिटी (कोलकाता) की ओर से
- अग्रश्री शिक्षा भूषण पुरस्कार CBSE/ISC में श्रेष्ठ को- सी.ए. अरुण गुप्ता, मेसर्स अरुण आर के गुप्ता चार्टेड अकाउंटेंटस, दिल्ली की ओर से
- अग्रश्री संस्कृति दूत पुरस्कार-संगीत, कला, नृत्य एवं संस्कृति में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर- स्वर्गीय मनी देवी बंसल एवं रामेश्वर दास बंसल, दादा-दादी की पुण्य स्मृति में सुपौत्र कृष्ण कुमार बंसल, दिल्ली की ओर से
- अग्रश्री अप्रवासी भारतीय गौरव पुरुस्कार- भारत से बाहर विदेशों में रहकर समाज के कामों को सक्रि यता से गति देने वाले लोगों के लिए- स्वर्गीय स्वर्णलता अग्रवाल एवं रामकुमार अग्रवाल की पुण्य स्मृति में सुपुत्र भूषण , महेश एवं बुद्धिश अग्रवाल "फर्म-जगदीप फाउंड्री ग्ररुप" बटाला, (पंजाब) की ओर से 19- अग्रश्री बाल गौरव पुरस्कार- अग्रकुल के बच्चों में छुपी हुई
- प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने हेतु स्व. खेमचंद निंगानिया की पुण्य स्मृति में फर्म-सेदूराम खेमचंद निंगानिया, पैलेस रोड, सक्ति (छत्तीसगढ़) की ओर से
- अग्रश्री अलंकरण पुरस्कार-सर्वश्रेष्ठ सामाजिक प्रकाशन, पत्रिका, खोजी पत्रकारिता या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए- स्वर्गीय बाबूलाल अग्रवाल की पुण्य स्मृति में सुपुत्र राजकुमार अग्रवाल ज्योतिषाचार्य, इंदौर (एमपी) की ओर से
- अग्रश्री संस्था पुरस्कार-उत्कृष्ट कार्यों एवं सक्रियता से अग्रवाल संस्था के रूप में अपनी पहचान बनाने पर स्वर्गीय चांद देवी अग्रवाल एवं स्वर्गीय रामवल्लभ अग्रवाल की पुण्य स्मृति में सुपुत्र रामावतार , प्रहलाद , राधेश्याम , गजानंद एवं कमलेश अग्रवाल जयपुर (राजस्थान) की ओर से
- अग्रश्री धनवंतरी पुरस्कार- स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के क्षेत्र में अमूल्य सेवाओं के लिए- इंद्रचंद बंसल एवं सुशीला बंसल की प्रेरणा से सुपुत्र प्रवीण बंसल हिसार (हरियाणा) की ओर से
- अग्रश्री खेल रत्न पुरस्कार-खेलकूद के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर पहुंच सफलता अर्जित करने पर स्वर्गीय डॉक्टर सुदर्शन अग्रवाल व पुण्य स्मृति में माता उर्मिला अग्रवाल की प्रेरणा से सुपुत्र धर्मशील अग्रवाल, लखनऊ (उत्तरप्रदेश) की ओर से
- अग्रश्री विलक्षण प्रतिभा पुरस्कार-अग्रकुल के बच्चों में अद्वितीय प्रतिभा प्रदर्शन हेतु जयप्रकाश गोयल, वरिष्ठ सम्मानीय सदस्य (96 वर्षीय) हांगकांग की ओर से
- अग्रश्री दिव्यांग सेवा पुरुस्कार- सर्व वर्ग के दिव्यांगों के कल्याण हेतु उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं को-स्वर्गीय विसनो देवी गुप्ता एवं जगदीश प्रसाद गुप्ता की पुण्य स्मृति में सुपुत्र अवध किशोर गुप्ता मेरठ (उत्तरप्रदेश) की ओर से
- अग्रश्री रक्त वीर पुरस्कार-रक्तदान के क्षेत्र में सर्वाधिक रक्तदान करने वाले रक्तबीर को देवेन्द्र गोयल, फर्म-गोयल डी.पी. ज्वेलर्स, आगरा (उत्तरप्रदेश) की ओर से
- अग्रश्री लाला लाजपत राय पुरस्कार-सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर अपनी पहचान स्थापित करने वाले सदस्य को.. स्वर्गीय पोशाकी लाल किशन स्वरूप अग्रवाल की पुण्य स्मृति में माता माया देवी अग्रवाल की प्रेरणा से सुपुत्र रवि अग्रवाल फर्म..लक्ष्मी एक्सपोर्ट, मेकेरियस डिजिटेक, मुंबई (महाराष्ट्र) की ओर से
- अग्रश्री दूत पुरुस्कार-भगवान अग्रसेन के मंदिर निर्माण हेतु संस्थाओं, परिवारों या की व्यक्तिगत स्वर्गीय तृषिया मित्तल एवं प्रेम कुमार मित्तल की पुण्य स्मृति में सुपुत्र मोहित मित्तल, दिल्ली की ओर से
- अग्रश्री बहुमुखी प्रतिभा पुरस्कार- बहुमुखी व्यक्तित्व के धनी को उत्कृष्ट कार्यों के लिए (समाजिक, राजनैतिक, धार्मिक, व्यापार एवं उद्योग) में सक्रिय योगदान के लिए "स्वर्गीय बाबूराम अग्रवाल एवं शिव चरणदास अग्रवाल (हांसी पेड़े वाले) की पुण्य स्मृति में राजेश अग्रवाल की ओर से
- अग्रश्री श्रेष्ठ पुरुस्कार - राष्ट्रीय स्तर पर विगत 10 वर्षों से वैवाहिक परिचय सम्मेलनों का सफल आयोजन कर अग्रणी भूमिका निभाने वाली सामाजिक संस्थाओ को-मे. सुभाष अग्रवाल (स्वर्णभूमि) रायपुर (छत्तीसगढ़) की ओर से
- अग्रश्री विज्ञान रत्न पुरस्कार-विज्ञान एवं अनुसंधान के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ सफ़लता अर्जित करने वाले समाज के सदस्य को स्वर्गीय पुरषोत्तम टीबडेवाल दादा एवं स्वर्गीय प्रवीण केजरीवाल जीजा की पुण्य स्मृति में शिवनंदन प्रसाद टीबड़ेवाल की प्रेरना से सुपुत्र हिमांशु गोयल महागमा (झारखंड) की ओर से, 32... सेठ जमना लाल बजाज पुरुस्कार... राजस्थानी भाषा को आठवीं सूची में शामिल करवाने हेतु सतत प्रयासरत राष्ट्रीय स्तर की सर्वश्रेष्ठ सामाजिक संस्थाओं को ... मेसर्स सूरज मल जसरासरिया ट्रस्ट, लक्ष्मणगढ़ (राजस्थान) मुख्य ट्रस्टी प्रमोद अग्रवाल रायपुर छत्तीसगढ़ की ओर से।

आयोजक संस्था ने बताया है कि उपरोक्त समस्त पुरस्कारों के लिए संबंधित क्षेत्र के व्यक्ति को अंतरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन द्वारा निर्धारित प्रोफार्मा पर आवेदन कर (उपलब्धि अवधि.. दिनांक 1 जनवरी 2023 से 31 दिसंबर 2023 तक) उपरोक्त क्षेत्र से संबंधित जानकारियां, फोटोग्राफ, पेपर कटिंग, एवम वीडियो निर्धारित अवधि तक आयोजन के संयोजक या की केंद्रीय मुख्यालय कोलकाता में भेजना अनिवार्य होगा एवं पुरस्कारों का चयन संस्था द्वारा निर्धारित चयन समिति करेगी एवं चयन समिति करेगी। आवेदन aa.sammelan@gmail.com पर मेल कर सकते हैं। संबंधित पुरस्कार हेतु चयनित होने वाले संस्था या व्यक्ति को 8 जून 2024 को होटल हिंदुस्तान इंटरनेशनल, कोलकाता में आयोजित सम्मान समारोह में स्वयं उपस्थित होकर सम्मान ग्रहण करना होगा। आवेदन की अंतिम तिथि दिनांक 15 अप्रैल 2024 के बाद प्राप्त होने वाले आवेदनों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर

कौशल विकास हेतु किसानों का स्ववित्तपोषित प्रशिक्षण शुरू

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

टोंक। केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर में मानव संसाधन विकास विभाग (एचआरडी) द्वारा दो राज्यों (राजस्थान एवं हरियाणा) के 34 से ज्यादा पशुपालक किसानो का 12वा बैच को वैज्ञानिक भेड़-बकरी एवं खरगोश पालन पर आठ दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 11 मार्च तक अविकानगर मे आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए निदेशक डॉ. अरुण कुमार तोमर ने प्रशिक्षणार्थियों को बताया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य आपके पास उपलब्ध पशुपालन की जानकारी को बढ़ावा देना है इसलिए आप अपने पशुपालन के सवाल जवाब मेरे वैज्ञानिको के लेक्चर्स के बाद विचार विमर्श करना है जिससे आपको अपने पशुपालन समस्या का कुछ हद तक हल मिल सके। अब समय है कि पशुओ के अधिकतम उत्पादन के लिए उनको उतम पोषण, चारा एवं संतुलित दाना खिलाकर पैदावार बढ़ाई जाये। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ सुरेश चंद शर्मा, डॉ लीलाराम गुर्जर एवं डॉ सत्यवीर सिंह डागी द्वारा किया जा रहा है। प्रभारी ऊन विभाग डॉ. अजय कुमार, डॉ अरविन्द सोनी, डॉ अमरसिंह मीना भी प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत मे उपस्थित रहे। निदेशक द्वारा इस अवसर पर उपस्थित अपोलो वेटरनरी कॉलेज के इंटरनशिप 11 स्टूडेंट्स को भी किसान के साथ प्रशिक्षण मे उपस्थित रहने के लिए निर्देशित किया, जिससे आप भी किसानो की वास्तविक समस्या से अवगत हो सके। अविकानगर संस्थान के मीडिया प्रभारी वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ अमरसिंह मीना ने दी जानकारी।

घर मंगवाये जागरूक जनता हमें कहें.....

सदस्यता फार्म दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

फोन .... पिन कोड

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
विश्वसनीय हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758
डाक पंजीयन सं. : jaipurcity/105/2024-26

देश के पर्यटन नक्शे में जुड़ेगा विस का डिजीटल म्यूजियम

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि राजस्थान विधान सभा का डिजिटल म्यूजियम राजनैतिक आख्यान संग्रहालय देश के पर्यटन नक्शे में जोड़ा जाएगा। उन्होनें कहा कि संग्रहालय को देश भर के लोग विशेषकर युवा पीढ़ी, विद्यालयों के छात्र-छात्राएं और देश व विदेश से आने वाले पर्यटक देखें, इसके लिए नये सिरे से प्रयास कर नवीन रणनीति तय की जा रही हैं। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी विधान सभा में डिजीटल म्यूजियम को देश के पर्यटन नक्शे में जोड़ने, अधिक से अधिक लोगों को संग्रहालय दिखाने और इसके व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की एक उच्च स्तरीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। देवनानी ने कहा कि विधान सभा का राजनैतिक आख्यान संग्रहालय डिजिटल म्यूजियम है। इस म्यूजियम में 3डी प्रोजेक्शन मैपिंग, एनिमेटेड डायोरामा, इंटरेक्टिव कियोस्क, होलोग्राम, वर्चुअल रियलिटी, टॉकबैक स्टूडियो, फिल्म्स ऑन स्क्रीन, मैकेनाईज्ड इंस्टालेशन और डायनामिक इंस्टालेशन तकनीक का उपयोग किया गया है। देवनानी ने कहा कि इस संग्रहालय का व्यापक प्रचार-प्रसार ऑनलाईन और ऑफलाइन स्तर पर किया जाएगा। राज्य के विभिन्न पर्यटन के कार्यक्रमों के साथ भी इसे जोड़ा जाएगा।

महिला दिवस पर संग्रहालयों, स्मारकों पर महिलाओं को फ्री प्रवेश

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। 8 मार्च के दिन सीएम भजनलाल शर्मा ने महिलाओं को बड़ा तोहफा दिया है। इस दिन सीएम भजनलाल शर्मा ने पूरे राजस्थान में इन स्थानों पर फ्री प्रवेश की अनुमति प्रदान की है। सीएम भजनलाल की यह सौगात क्या है, इस बारे में राजस्थान की महिलाओं में जानने की उत्सुकता बन गई है। तो जानें 8 मार्च को महाशिवरात्रि के साथ - साथ अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस भी मनाया जाएगा। लोकसभा चुनाव के काउंटडाउन के बीच अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को ध्यान में रखकर सीएम भजनलाल शर्मा ने महिलाओं को बड़ी सौगात दी है। सीएम भजनलाल ने बड़ा तोहफा देते हुए 8 मार्च को महिलाओं का राज्य के स्मारकों एवं संग्रहालयों में भ्रमण को निशुल्क करने का फैसला लिया है। विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के प्रति सम्मान, प्रशंसा और स्नेह प्रकट करते हुए फैसला लिया गया। साथ ही महिला सशक्तीकरण को प्रोत्साहित करने व महिलाओं को अग्रणी रखने के उद्देश्य से राजस्थान सीएम भजनलाल ने ये बड़ा फैसला लिया है। सीएम भजनलाल के इस फैसले के बाद प्रदेश की हजारों महिला व बालिकाएं इन स्थलों का भ्रमण कर लाभान्वित होंगी। 8 मार्च को महिलाएं राज्य के स्मारकों एवं संग्रहालयों पर निःशुल्क भ्रमण करेंगी।

vedanta
transforming for good
HINDUSTAN ZINC
Zinc & Silver of India

सह-अस्तित्व
एक बेहतर कल के लिए

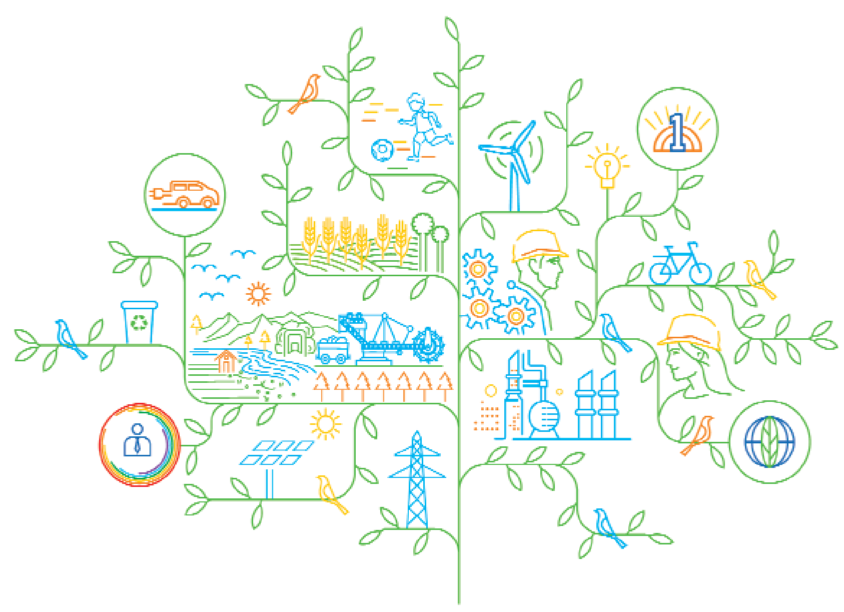

World's leading integrated Zinc-Lead Producer | Among top 5 integrated Silver Producer

Hindustan Zinc Limited
Yashad Bhawan | Udaipur - 313004 | Rajasthan | India
P : +91 294 6604000-02 | www.hzlindia.com
www.facebook.com/HindustanZinc | www.linkedin.com/company/hindustanzinc | www.instagram.com/hindustan_zinc
https://twitter.com/PriyaAH_Vedanta | www.twitter.com/CEO_HZL | www.twitter.com/hindustan_Zinc

कहीं आप गलत तेल के शिकार तो नहीं हो रहे है ?
देसी दिल के लिये, दादी वाला देसी तेल...
Natural Immunity Booster
Kabira®
Healthy Growth
Yellow Mustard Oil
स्वदेशी पीली सरसों का तेल है, प्राचीन, पौष्टिक एवं परखा।

- प्राचीन शीतल विधी घाणी से निर्मित।
- निर्माण विधी उच्च ताप रहित ।
- निर्माण में कोई रासायनिक प्रयोग नहीं।
- केन्सर को रोकने में लाभदायक ।*
- मधुमेह को नियंत्रित करने में लाभदायक ।
- एसीडीटी एवं गेस्टिक रोगों में मददगार ।
- रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने मे लाभदायक ।
- केवल देसी सरसों द्धारा निर्मित ।
- मोटापा घटाने में लाभदायक ।
- बालों के लिए एक उत्तम तेल ।
- ओमेगा 3 एवं ओमेगा 6 से भरपूर ।
- तीखी गंध रहित होने के कारण सभी व्यंजनों में उपयोगी ।
- अनेक औषधीय गुणों से भरपूर ।
- सभी तेलों के मुकाबले सबसे कम सेच्युरेटेड फेट्स ।*
- छः हजार वर्षों से मानव के लिए उपयोगी ।

Kabira Cold Pressed Oils are Also Available in :
Kachchi Ghani Mustard Oil (Pungent Smell)
Kachchi Ghani Groundnut Oil | Kachchi Ghani Sesame (Til) Oil

स्वस्थ जीवन के लिए कोनसा तेल उपयोग करें ?

तेल आप उपयोग करें	तेल आप उपयोग ना करें
कबीरा पीली सरसों का तेल	कबीरा रिफाईण्ड पामोलीन तेल
कबीरा कच्ची घानी सरसों का तेल	कबीरा रिफाईण्ड राईस ब्रान तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड मूंगफली का तेल	कबीरा ब्लेण्डेड एवं कनोला तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड तिल्ली का तेल	कबीरा रिफाईण्ड सोयाबीन तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड बादाम तेल	कबीरा रिफाईण्ड सूरजमुखी तेल
	कबीरा रिफाईण्ड मूंगफली तेल

कबीरा पीली सरसों तेल को फेक्ट्री मूल्य में लेने के लिए इस विज्ञापन एवं अपनी डिटेल्स को 90017-99117 पर व्हाट्सप करें और फ्री में लाइफ मेम्बर बनें एवं पाएं 590 रू. की चांदी की फ्रेम एवं केनवास बेग बिलकुल Free
ONLY FOR NEW MEMBER, LIMITED TIME OFFER

समस्त व्रत एवं उपवास में उपयोगी	केवल कबीरा कोल्ड प्रेस्ड मूंगफली का तेल
सर्दियों में उपयोगी	कबीरा कोल्ड प्रेस्ड तिल्ली का तेल
हर मौसम में उपयोगी	कबीरा पीली सरसों एवं कच्ची घानी सरसों तेल
दिपावली, दिपक प्रज्वलन के लिए	कबीरा तिल्ली एवं कच्ची घानी सरसों तेल

-: Awards & Achievements :-

To Open Kabira Hand Made Exclusive Store or Other Trade Inquiries Please Contact :
MANISHANKAR OILS PVT LTD
+91 98290 50738
www.manishankaroils.in
ALSO DEALS IN KISAN, PEEURA, TILAK, HANDMADE, MURARKA, BANSI, KABIRA COLD PRESSED (EDIBLE OIL, SPICES & TEA)
For Arward Details : Contact 98290-50738
* In Reference to : Asian Journal of Dairy and Food Research (2019)
#GOVERNMENT OF INDIA'S NATIONAL AWARDED #GOVERNMENT OF RAJASTHAN'S UDYOG RATAN AWARDED

- Minimum Rate of Intrest
- 0% Processing Fees
- No Hiddan Charges
- Minimum Document
- Advance Payment Facility
- Car Loan Available Here Only.

Use Car Loan

Aarna Associates
Call us : 9828333666